अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 111

प्रयागराज सोमवार 06 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

पोरबंदर हादसे में तीन लोगों की मौत

● पोरबंदर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा, तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर क्रैश, क्रू के तीन सदस्यों की मौत

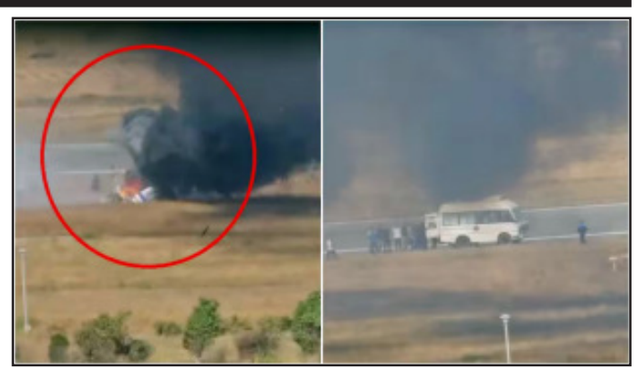

पोरबंदर,(एजेंसी)। बीते सितंबर में ही भारतीय तटरक्षक बल का ध्रुव हेलीकॉप्टर ही अरब सागर में हादसे का शिकार हुआ था। उस हादसे में क्रू के तीन सदस्य लापता हो गए थे। क्रू के एक सदस्य को बचा लिया गया था। गुजरात के पोरबंदर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल वहां तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। भारतीय तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर एएलएच (एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर) ध्रुव रुटीन उड़ान पर था, जिस दौरान वह हादसे का शिकार हो गया। हादसे में क्रू के सदस्यों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। क्रू के सदस्यों को जली हुई हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। नियमित उड़ान पर था हेलीकॉप्टर मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर पोरबंदर हेलीकॉप्टर पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे हादसे का शिकार हुआ। हेलीकॉप्टर नियमित उड़ान पर था और हादसा हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के वक्त हुआ। लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर में आग लग गई। हेलीकॉप्टर में दो पायलट समेत कुल तीन लोग थे। इस दुर्घटना में तीनों की मौत हो गई। कई बार हादसों का शिकार हो चुका है ध्रुव हेलीकॉप्टर गौरतलब है कि बीते सितंबर में ही भारतीय तटरक्षक बल का ध्रुव हेलीकॉप्टर ही अरब सागर में हादसे का शिकार हुआ था। उस हादसे में क्रू के तीन सदस्य लापता हो गए थे। क्रू के एक सदस्य को बचा लिया गया था। इससे पहले मार्च में भी नौसेना के ध्रुव हेलीकॉप्टर की अरब सागर में आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी। ध्रुव हेलीकॉप्टर को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया था। कई साल की परीक्षण उड़ानों के बाद साल 2002 में इसे भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। इस हेलीकॉप्टर में दो पायलट समेत 12 लोग बैठ सकते हैं। इस सैन्य और नागरिक दोनों उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

ध्रुव हेलीकॉप्टर को एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल्स से भी लैस किया जा सकता है। साथ ही इससे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें भी दागी जा सकती हैं। ध्रुव हेलीकॉप्टर को इसकी कैटेगरी का बेहतरीन हेलीकॉप्टर माना जाता है।

नमो भारत कॉरिडोर का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन, पीएम बोले....

दिल्ली का विकास सिर्फ भाजपा कर सकती है

● दिखाई हरी झंडी, अब 40 मिनट में मेरठ से दिल्ली

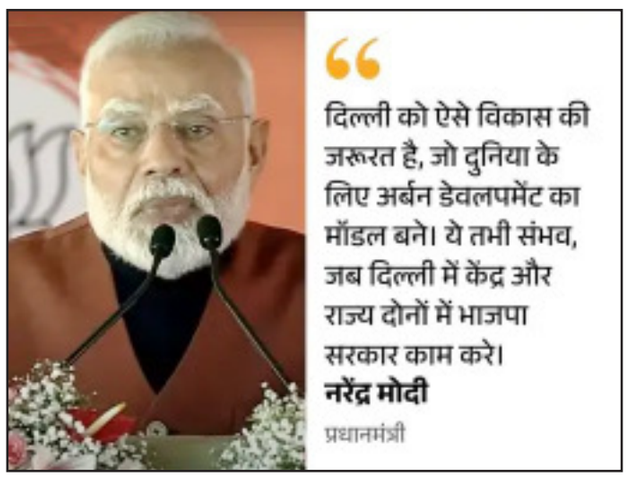

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आरआरटीएस के दिल्ली सेक्शन के उद्घाटन के साथ ही दिल्ली को पहली बार नमो भारत कनेक्टिविटी मिल गई है। न्यू अशोक नगर और मेरठ साउथ के बीच 55 किलोमीटर लंबा आरआरटीएस कॉरिडोर है, जिसमें 11 स्टेशन हैं। रविवार शाम 5 बजे से यह कॉरिडोर यात्रियों के लिए शुरू हो जाएगा। हर 15 मिनट में लोगों के लिए ट्रेनें उपलब्ध होंगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने रविवार को उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद से दिल्ली के न्यू अशोक नगर तक दिल्ली–मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे खंड का उद्घाटन किया। पीएम ने साहिबाबाद स्टेशन से न्यू अशोक नगर स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन की सवारी भी की। इस दौरान पीएम मोदी ने बच्चों और लोगों से बातचीत की। एक बच्ची ने पीएम को एक कविता भी सुनाई। आरआरटीएस के दिल्ली सेक्शन के उद्घाटन के साथ ही दिल्ली को पहली बार नमो भारत कनेक्टिविटी मिल गई है। न्यू अशोक नगर और मेरठ साउथ के बीच 55 किलोमीटर लंबा आरआरटीएस कॉरिडोर है, जिसमें 11 स्टेशन हैं। रविवार शाम 5 बजे से यह कॉरिडोर यात्रियों के लिए शुरू हो जाएगा। हर 15 मिनट में लोगों के लिए ट्रेनें उपलब्ध होंगी। न्यू अशोक नगर स्टेशन से मेरठ साउथ स्टेशन का किराया स्टैंडर्ड कोच के लिए 150 रुपये और प्रीमियम कोच के लिए 225 रुपये है। नया सेक्शन यात्रा के समय को एक तिहाई कम कर देगा, जिससे यात्री न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ की यात्रा सिर्फ 40 मिनट में कर सकेंगे। नए उद्घाटन किए गए 13 किलोमीटर के सेक्शन में से छह किलोमीटर हिस्सा भूमिगत है और इसमें कॉरिडोर का एक प्रमुख स्टेशन आनंद विहार शामिल है।

1 साल में 42 Km चली रैपिड रेल

- 20 अक्टूबर, 2023- पहले चरण का उद्घाटन (साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 Km)
- 6 मार्च, 2024- दूसरे चरण का उद्घाटन (दुहाई से मोदीनगर नार्थ के बीच17 Km)
- 18 अगस्त, 2024- ट्रेन मेरठ साउथ स्टेशन तक बढ़ाई गई।
- अभी नमो भारत ट्रेन कुल 42 Km के कॉरिडोर में चलती है।
- साहिबाबाद से मेरठ साउथ तक 9 स्टेशनों के बीच ट्रेन चल रही है।
- जून, 2025 तक 82 Km के इस प्रोजेक्ट के पूरा होने की उम्मीद है।

खाई में गिरी बोलेरो, चार लोगों की मौत, किश्तवाड़ में बड़ा हादसा

जम्मू,(एजेंसी)। किश्तवाड़ के पाडर में एक बोलेरो वाहन रात के समय गढ़ के पास गहरी खाई में गिर गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और दो लोग लापता हैं। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के बाद परिवारजनों को सौंप दिए। जिला किश्तवाड़ के उपमंडल पाडर में आज एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक बोलेरो वाहन गढ़ के पास लगभग 1000 फीट नीचे गहरी खाई में गिर गया। यह हादसा गत रात्रि का बताया जा रहा है, जब वाहन भोट नाल के पास खाई में गिरा। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और दो लोग लापता बताए जा रहे हैं। आज सुबह एक महिला जब अपने काम से जा रही थी, तो उसने दरिया के किनारे वाहन का टूटा–फूटा रूप और मृतकों के शव देखे। महिला ने आसपास के लोगों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से मृतकों के शव बरामद किए गए और उन्हें पाडर अठोली अस्पताल भेजा गया। वहां उनका पोस्टमार्टम कर शव उनके परिवारजनों को सौंप दिए गए। मौके पर जिला उपायुक्त और पाडर नागसेनी विधायक सुनील कुमार शर्मा सहित डॉक्टर और अन्य प्रशासनिक स्टाफ भी पहुंचे। प्रारंभिक जांच में यह जानकारी मिली है कि वाहन में कुल कितने लोग सवार थे, इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। यदि वाहन में छह लोग सवार थे, तो दो लोग अभी भी लापता हैं। पुलिस यह जांच कर रही है कि लापता लोग दरिया में बह गए या कहीं और चले गए।

सीएम योगी ने कल्याण सिंह की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि, बोले...

पूरा जीवन राष्ट्र सेवा में समर्पित रहा

● पहली बार यूपी वालों को सुशासन का अहसास कराया

● युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल करने का चलाया था अभियान

लखनऊ,(एजेंसी)। आज पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की जयंती मनाई जा रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। राजधानी लखनऊ में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यपाल कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि उप्र में सुशासन के संस्थापक श्रीराम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत, राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह श्बाबूजीश का समाज के पुनर्निर्माण में अविस्मरणीय योगदान है। एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम ने कहा कि श्बाबूजीश ने अपने जीवन का एक–एक क्षण समाज व राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया था। सेवा, सुशासन और सामाजिक न्याय हेतु सदैव समर्पित रहे। सीएम ने श्पद्म विभूषणश कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने कहा कि कल्याण सिंह भारत मां के महान सपूत, राष्ट्रभक्त व रामभक्त थे। 1932 में अलीगढ़ के एक छोटे से गांव में आज ही के दिन सामान्य किसान परिवार में उनका जन्म हुआ था। बाल्यकाल से ही देश की आजादी की लड़ाई को देखने, स्वतंत्रता के बोध व भावी भारत के निर्माण में हमारी क्या भूमिका होगी, इन संस्कारों से ओतप्रोत बालक कल्याण सिंह ने उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामान्य शाखा से लेकर आगे के कार्यक्रमों के माध्यम से खुद को राष्ट्रभक्ति के सांचे में ढाला था। किसान, शिक्षक, 1977 में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री, विधायक, सांसद, दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री व दो राज्यों के राज्यपाल के रूप में उनकी कार्यकुशलता, कर्मठता व प्रशासनिक क्षमता की दक्षता को हर किसी ने स्वीकार किया। सिद्धांतों व मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया सीएम ने कहा कि सत्ता के लिए लोग सिद्धांतों की तिलांजलि दे देते हैं। कुछ प्राप्त करने के लिए मूल्यों के साथ समझौता करते हैं लेकिन कल्याण सिंह जैसे व्यक्तित्व ने मूल्यों व सिद्धांतों के साथ कभी समझौता नहीं किया। रामजन्मभूमि आंदोलन और उसके बाद भी प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देने, प्रशासनिक दक्षता को परिपूर्ण करने के लिए उनके द्वारा 1990 के दशक के प्रारंभ व उत्तराध में जो प्रयास प्रारंभ किए गए थे, वह नए उत्तर प्रदेश का दर्शन कराते हैं। पहली बार यूपी वालों को सुशासन का अहसास कराया सीएम ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ, लेकिन उत्तर प्रदेश के लोगों को पहली बार इसका अहसास तब हुआ, जब मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करके कल्याण सिंह जी ने शासन व्यवस्था को आगे बढ़ाया।

प्रियंका गांधी के गालों जैसी सड़कें बनवाने की बात पर बीजेपी नेता रमेश बिधूड़ी पर कांग्रेस का हमला

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक बयानबाजी का सिलसिला तेज हो गया है। कालका जी विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने प्रियंका गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा, षप्रियंका गांधी के गालों जैसी सड़कों को कालका जी क्षेत्र में बना देंगे,ष जिसका कांग्रेस ने कड़ा विरोध किया है। रमेश बिधूड़ी ने एक कार्यक्रम में कहा कि लालू यादव ने बिहार की सड़कों को ष्हेमा मालिनी के गालों जैसीष बनाने का दावा किया था, लेकिन वह अपने वादे को पूरा नहीं कर पाए। उन्होंने आगे कहा, ष्मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि कालका जी के सुधार कैंप के सामने वाली और अंदर वाली सड़कों को प्रियंका गांधी के गालों जैसी बना देंगे,ष और यह भी जोड़ा कि जैसे ओखला और संगम विहार में सड़कों का सुधार हुआ है, वैसे ही कालका जी में भी सड़कों को बेहतर बनाया जाएगा।रमेश बिधूड़ी के इस बयान पर कांग्रेस ने तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इसे बीजेपी नेताओं की घटिया मानसिकता करार दिया और आरोप लगाया कि यह बयान बीजेपी के नेताओं की असलियत को उजागर करता है। पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया पर लिखा, ष्यह बदतमीजी सिर्फ इस घटिया आदमी की मानसिकता नहीं दिखाती, बल्कि इसके मालिकों की असलियत भी सामने लाती है।

मिजोरम-म्यांमार सीमा पर आवाजाही नियंत्रित करने की तैयारी

● बॉर्डर पास समेत अहम दिशा–निर्देश जारी

आइजोल,(एजेंसी)। एक अधिकारी ने बताया कि म्यांमार और भारत के नागरिकों को एक दूसरे के देश जाने के लिए सात दिनों का वैध बॉर्डर पास जारी किया जाएगा। हालांकि इस पास को पाने के लिए आवेदनकर्ता को यह सत्यापित करना होगा कि वे सीमा के दोनों तरफ 10 किलोमीटर के दायरे में ही रहते हैं। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच केंद्र सरकार ने मिजोरम–म्यांमार सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। मिजोरम की म्यांमार से 510 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है और यहां लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने कुछ अहम दिशा–निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा–निर्देशों के तहत बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों की आवाजाही की छूट दी गई है, लेकिन इनकी आवाजाही को नियंत्रित करने और अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए बॉर्डर पास अनिवार्य कर दिया गया है। सीमा पार करने के लिए जरूरी होगा बॉर्डर पास एक अधिकारी ने बताया कि म्यांमार और भारत के नागरिकों को एक दूसरे के देश जाने के लिए सात दिनों का वैध बॉर्डर पास जारी किया जाएगा। हालांकि इस पास को पाने के लिए आवेदनकर्ता को यह सत्यापित करना होगा कि वे सीमा के दोनों तरफ 10 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। 31 दिसंबर से नए दिशा–निर्देश जारी हो गए हैं। मिजोरम के छह जिले– चम्फाई, सियाहा, लॉन्टलाई, हनाहथियाल, सैतुअल और सेरछिप की 510 किलोमीटर लंबी सीमा म्यांमार के चिन स्टेट से लगती है। शुक्रवार को चम्फाई जिले की पुलिस ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि भारत और म्यांमार के लोग जो एक दूसरे देशों की यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें अब बॉर्डर पास की जरूरत होगी और यह बॉर्डर पास सात दिनों के लिए वैध होगा। बॉर्डर पास की जरूरत क्यों पड़ी? भारत को पूर्वोत्तर राज्यों मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश की सीमाएं सटी हुई हैं। ये सीमा करीब 1600 किलोमीटर लंबी है। सीमाओं के दोनों तरफ विभिन्न जनजातियों के लोग रहते हैं।

हम निष्पक्ष रहने वाले, उनकी सोच आक्रामक: राहुल गांधी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राहुल गांधी ने आईआईटी मद्रास के छात्रों के साथ बातचीत की। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कई मुद्दों पर बात की, जिसमें शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए वे जो बदलाव करना चाहते हैं, वह भी शामिल हैं।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भाजपा और कांग्रेस में अंतर बताया। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस निष्पक्ष रहने वालों में से है। जबकि भाजपा की सोच आक्रामक है। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने शिक्षा

पर अधिक खर्च करने और सार्वजनिक संस्थानों को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल नहीं की जा सकती है। राहुल गांधी ने आईआईटी मद्रास के छात्रों के साथ बातचीत की। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कई मुद्दों पर बात की, जिसमें शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए वे जो बदलाव करना चाहते हैं, वह भी शामिल हैं। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी बातचीत का एक संपादित वीडियो एक्स पर साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा, श्मेरा मानना है। कि अपने लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी देना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इसे निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहनों के जरिए हासिल नहीं किया जा सकता।

सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

● पहाड़ी राज्यों में दो दिन बर्फबारी का अलर्ट, झारखंड में आठवीं तक के स्कूल हुए बंद

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 5 जनवरी को जम्मू–कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। वहीं, उत्तराखंड में 5 और 6 जनवरी को हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। वहीं, ज्यादातर इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा भी बना रह सकता है। पश्चिमी हिमालयी राज्यों में ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश और बर्फबारी ने पहाड़ों के साथ ही मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ा दी है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ समेत उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में शीत दिवस जैसी स्थिति बनी हुई है। यहां तक राजस्थान और सुदूर पूर्वी राज्य झारखंड और ओडिशा में भी भीषण शीतलहर की चपेट में हैं। ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे ही बना हुआ है। मौसम विभाग ने 6 जनवरी तक जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अलग–अलग जगहों पर बारिश और भीषण बर्फबारी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसके बाद ठंड और बढ़ने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इसके प्रभाव से बीते 24 घंटे के दौरान इस क्षेत्र के ज्यादातर इलाकों में भीषण ठंड महसूस की गई। यूपी के कुछ हिस्सों के साथ ही दक्षिण पंजाब और दक्षिण हरियाणा में अलग–अलग स्थानों पर शीत दिवस की स्थिति बनी रही। हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में शीतलहर चली। गौरतलब है कि शीत दिवस पर तब बोता है जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 4–5 डिग्री सेल्सियस नीचे हो। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 5 जनवरी को जम्मू–कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। वहीं, उत्तराखंड में 5 और 6 जनवरी को हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। वहीं, ज्यादातर इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा भी बना रह सकता है। 18 साल बाद जनवरी में शिमला में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा पारा हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में भले ही ठंड महसूस की जा रही है।

महिला पात्रों से सीखें लीडरशिप

महाभारत अपनी शक्तिशाली कहानी और शिक्षाओं के लिए प्रसिद्ध है। इसके पुरुष पात्र अक्सर केंद्र में होते हैं, किंतु इसकी सभी महिला पात्र भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। द्रौपदी, कुंती और गांधारी जैसी महिलाएं शक्ति, अनुकूलनशीलता और रणनीतिक कौशल का प्रतीक हैं, जो आधुनिक लीडर्स और प्रबंधकों को शिक्षाएं प्रदान करती हैं। जानते हैं इन्हीं महिला पात्रों से मिलने वाली सीखें। शांत रणनीतिकार कुंतीरू राजनीतिक संघर्ष में उलझे एक राजसी परिवार में विवाहित, कुंती को पांडु के असामयिक निध् ान के बाद एक अकेली मां की भूमिका निभानी पड़ती है। चुनौतियों के बावजूद वे अपने बेटों- पांडवों का धर्म (कर्तव्य) और एकता की भावना के साथ लालन–पोषण करती है और सुनिश्चित करती है कि वे सभी अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें। संकटों को शालीनता और दीर्घकालिक दृष्टि से पार करने की कुंती की क्षमता एक आवश्यक नेतृत्व गुण है। लीडर्स को अक्सर अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता है और कुंती की कहानी सामूहिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रणनीतिक सोच और संबंधों को पोषित करने के महत्त्व को रेखांकित करती है। प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान उनका धैर्य मुझे दृढ़ रहने, तत्काल चुनौतियों का समाधान करते हुए बड़े सकारात्मक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करता है।साहसी कूटनीतिज्ञ द्रौपदीरू द्रौपदी महाभारत के सबसे अद्भुत पात्रों में से एक है। उनकी बुद्धिमत्ता, दृढ़ता और न्याय की अटूट भावना उन्हें एक दुर्जेय लीडर बनाती है। कौरव दरबार में उनके अपमान के बाद पांडवों को प्रेरित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, जो उनके व्यक्तिगत प्रतिशोध को धर्म के लिए एक युद्ध में बदल देती है। द्रौपदी की व्यक्तिगत पीड़ा को एक बड़े उद्देश्य में बदलने की क्षमता एक शक्तिशाली नेतृत्व गुण है। वह हमें सिखाती है कि महान लीडर सिर्फ अपने लक्ष्यों से प्रेरित नहीं होते, बल्कि एक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण दुनिया बनाने की आकांक्षा से प्रेरित होते हैं।

स्थिर मातृसत्ता गांधारी रू हस्तिनापुर की रानी गांधारी त्याग और निष्ठा की मिसाल है। दृष्टिहीन पति धृतराष्ट्र के साथ अपनी भी आंखों पर पट्टी बांधने का उनका निर्णय प्रतिबद्धता का प्रतीक है। फिर भी, दुर्योधन के कुकर्मों के सामने उनकी चुप्पी निष्ठा और नैतिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन के बारे में सवाल उठाती है। गांध् ाारी की कहानी प्रेरणा और चेतावनी दोनों का काम करती है। लीडर्स को असहज सच्चाइयों का सामना करने और मुश्किल स्थितियों में अपना पक्ष रखने के लिए तैयार रहना चाहिए।बुद्धिमान सलाहकार सत्यवतीरू कुरु वंश की कुलमाता सत्यवती, घटनाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण रहीं हैं। वंश और शक्ति को बनाए रखने की चुनौतियों के बावजूद, उनकी चतुराई और दृढ़ संकल्प ने हस्तिनापुर के भविष्य की नींव रखी। अपने वंश की भलाई के लिए कठिन विकल्प चुनने की उनकी क्षमता नेतृत्व में दूरदर्शिता और बातचीत की महत्त्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।

मौन बलिदानी माद्री रू पांडु की दूसरी पत्नी माद्री बलिदान में निहित नेतृत्व का एक शांत रूप प्रदर्शित करती है। अपने परिवार की भलाई के लिए अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं को त्यागने के निर्णय से वे खुद से पहले दूसरों की सेवा करने के नेतृत्व के मूल को दर्शाती हैं। माद्री की कहानी सेवक नेतृत्व की शक्ति पर जोर देती है। सच्चे लीडर व्यक्तिगत लाभ से ज्यादा अपनी टीम की जरूरतों और बड़े लक्ष्यों को प्राथमिकता देते हैं।महाभारत की सभी महिला पात्र बताती हैं कि नेतृत्व केवल शक्ति की भूमिकाओं तक सीमित नहीं है, यह लचीलेपन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और नैतिक निर्णय लेने के माध्यम से प्रदर्शित होता है।

पुरुषों को भी चाहिए कानूनी संरक्षण

—वंदिता नैन, अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली

भारतीय समाज की कुछ कुरीतियों ने एक समय अनगिनत महिलाओं के जीवन की बलि ली, फिर चाहे वह सती प्रथा हो, दहेज प्रथा हो या घरेलू हिंसा। ना जाने कितने परिवार बर्बाद हो गए। हम आज भी अपने परिवार में अपनी माँ–दादी–नानी से इस तरह की कुप्रथाओं की ढेरों कहानियों सुन सकते हैं। कुछ समय पहले तक हमारे समाज में महिलाओं की मूल परवरिश उन्हें बेहद सहनशील, समर्पित और त्यागपूर्ण व्यक्तित्व की ओर ले जाती थी। उनके मानस पटल पर विवाह, पति, बच्चे और परिवार की छाप इतनी गहरी होती थी कि इसके बिना जीवन की वो कल्पना भी नहीं कर सकती थी। शिक्षित महिलाएँ भी समाज के इस ढाँचे में पूर्ण रूप से रची बसी थी और यही वजह थी कि जिन घरों में उनके प्रेम और त्याग का तिरस्कार हुआ, उनका मानसिक और शारीरिक शोषण हुआ, उनके व्यक्तित्व का दमन हुआ, वहाँ वे भी आवाज उठाने से परहेज करती रही।

नतीजतन पुरुषों में इस तरह के शोषण का व्यवहार प्रबल हुआ और हमने अपनी अनेकों माँ–बहनें इन्हीं कुप्रथाओं की भेंट चढ़ती देखी।

यह वो दौर था जहां समाज की कुरीतियां से निपटने कि लिए और महिलाओं का जीवन सुरक्षित करने के लिए कानूनी संरक्षण महत्वपूर्ण हो गया था और उसी के चलते अनेकों विधान बनाये गए जो मूल रूप से समान ना होकर महिलाओं की तरफ झुकाव रखते थे, जैसे कि दहेज प्रतिरोधक अधि ानियम, 498 । भा० दं० सं०, घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम इत्यादि। शारीरिक प्रताड़ना के अतिरिक्त मानसिक प्रताड़ना को भी वैधानिक रूप से स्वीकार किया गया। एक जिम्मेदार समाज और एक जिम्मेदार सरकार के तौर पर ये कदम सराहनीय थे और इनका संरक्षण पाकर बहुत सी महिलाओं का जीवन और घर टूटने से बचे।

दुविधा शुरू हुई जहां समाज और माता–पिता ने अपनी बेटियों को सशक्त करने के लिए तो शिक्षा और समान परवरिश की तरफ रूख किया परंतु सरकार और कधनून ने समय अनुसार जरूरी बदलावों को नजरंदाज किया। नतीजारू हमारी बेटियाँ शिक्षित और सशक्त हुई, हमारे बेटे सम्वेदनशील हुए परंतु कधनून की दृष्टि में महिला अब भी अबला रही और पुरुष आज भी अत्याचारी।

प्रायः यह बात सुनने में आती है कि समाज पुरुष–प्रधान है, परंतु इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि समाज पुरुष–प्रधान रहा है या फिर समाज ने पुरुष को प्रधान बना दिया है? अतीत में झाँक कर देखें तो हमारे समाज के प्रणेता अपनी माता के नाम से उतना ही जाने जाते थे जितना कि अपने पिता के, उदाहरण के लिए, श्री राम को कौशल्या–नंदन, लक्ष्मण को सुमित्रा–नंदन, श्री हनुमान को अंजनी–पुत्र, श्री कृष्ण को देवकी–नंदन एवं अर्जुन को पार्थ इत्यादि। भजन करते समय हम आज भी सीता–राम एवं राधे–श्याम कहते हैं। फिर कैसे पुरुष ही प्रधान बन गया और कैसे वह इतना बलशाली बन गया कि अब उसे कधनून से संरक्षण की आवश्यकता नहीं है?

जब बात विधि और विधायिका की आती है तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे की पुरुष का समाज में कोई अस्तित्व ही नहीं है। भारतीय दंड संहिता,1860 की धारा 354 ने महिलाओं से छेड़छाड़ को, धारा 375 ने यौन उत्पीड़न को, धारा 498 । ने ससुराल में होने वाले अत्याचार को आपराध बनाया, जिसकी परम आवश्यकता थी, परंतु समाज के आधे हिस्से की उपेक्षा की पराकाष्ठा तब होती है जब भारतीय दंड संहिता, 1860 को भारतीय न्याय संहिता, 2024 से प्रतिस्थापित कर दिया जाता है और न्याय संहिता में भी उसे न्याय नहीं मिलता है अपितु अधिक अन्याय का भागी होता है, जब संसद यह मान लेती है कि एक पुरुष का दूसरा पुरुष भी यौन शोषण नहीं कर सकता (नई संहिता में भा०दं० सं० की धारा 377 को पूर्णतया समाप्त कर दिया गया है।)। 2013 में जब महिलाओं के कार्यालयों में होने वाले यौन उत्पीड़न को रोकने का अधि ानियम बनाया गया तब भी यह मान लिया गया कि पुरुष का कार्यालय में यौन उत्पीड़न नहीं हो सकता। अर्थात् पुरुष की अस्मिता को ना तो महिला से खतरा है न ही किसी अन्य पुरुष से। हमारा विधान यह मानता है की एक महिला एक पुरुष की हत्या तो कर सकती है परंतु उसका शोषण नहीं। आश्चर्यजनक बात यह है कि जिन अंग्रेजों ने हमारे ऊपर भा०दं० सं० को थोपा, उनके अपने समानात्मक अधिनियम में यौन शोषण किसी भी व्यक्ति का हो सकता है और इसके लिए लैंगिक परिचय मायने नहीं रखता है और दुराचारी के लिए समान दंड है फिर चाहे वह स्त्री हो या पुरुष ।

दुःखद यह है कि यह विचित्र असमानता तब है जब की हमारा संविधान सभी नागरिकों को समान वैधानिक संरक्षण का मौलिक अधिकार देता है। संविधान के अनुसार जहाँ महिलाओं के संरक्षण के लिए अलग से अधिनियम बनाने का अधिकार है और उसे लैंगिक–समानता का उल्लंघन नहीं माना जाएगा वहीं संविधान यह कहीं नहीं कहता कि समाज के आधे से बड़े वर्ग को एक क्षेत्र में बिना किसी वैधानिक संरक्षण के छोड़ दिया जाए। जहाँ विध ान महिलाओं पर होने वाले घरेलू शारीरिक एवं मानसिक हिंसा का संज्ञान लेता है वहीं पुरुषों को राम भरोसे छोड़ दिया गया है। स्वांता–सुखाय यह मान लिया गया है कि पुरुषों के साथ घर में कभी कोई हिंसा हो ही नहीं सकती और मानसिक रूप से पुरुष को दुःखी करना असंभव है क्योंकि उसका हृदय तो भावनाओं का मरुस्थल है।

किसी भी गलत को सही करने की आवश्यकता होती है ना कि एक और गलत को बढ़ावा देने की और यही गलती हमसे एक समाज के तौर पर और न्यायालय से कानूनी तौर पर हुई है और निरंतर हो रही है। हमने अपनी बेटियों को सुरक्षित रहने और सामाजिक कुप्रथाओं से लड़ने के लिए तैयार तो किया परंतु उनकी सहनशीलता और त्याग की मूल स्त्रैण गुणों को विकसित ही नहीं होने दिया। हमने अपने बेटों को महिलाओं के प्रति सम्वेदनशील करने की और तो कदम बढ़ाया परंतु उनकी अपनी भावनात्मक जरूरतों को नजरंदाज कर दिया। परिणामस्वरूप, हमारी सशक्त बेटियाँ भटक कर अपने अधिकारों का दुरुपयोग करने लगीं और हमारे सम्वेदनशील बेटे अपनी पीड़ा को छुपाए अब भी अत्याचारी होने का बोझ ढो रहे हैं।

पिछले समय के दुर्ग्यपूर्ण वाक्यों जैसे शिखर धवन और मोहम्मद शम्मी (प्रमुख भारतीय क्रिकेटर) के साथ हुए कधनूनी प्रकरण जिसमे इनकी पत्नियों ने भरण पोषण के कानूनी प्रावधानों के साथ साथ इनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और पितृत्व का उपहास एवं दुरुपयोग किया। विडंबना यह है कि हम अपने बेटों को महिलाओं के प्रति संवदेनशील तो बनाना चाहते हैं परंतु उनकी अपनी भावनाएं, उनकी पीड़ा और उनका मानसिक स्वास्थ्य पूर्ण रूप से नजरअंदाज करते हैं। हम पुरुषों से संवदेना की उम्मीद रखते हैं परंतु उसके प्रति संवेदना को हम स्वीकार तक नहीं करते। हम महिलाओं के प्रति सामाजिक और कानूनी रूप से एक तरफा सहानुभूति रखते हैं परंतु पुरुषों को होने वाली पीड़ा, मानसिक–शारीरिक असहजता और भावनात्मक कष्ट को अनदेखा करते हैं।

ऐसा नहीं है कि कधनून के इस बढ़ते दुरुपयोग से महिलायें केवल पुरुषों का नुकसान कर रही हैं बल्कि ज्यादा नुकसान आज भी उन महिलाओं का हो रहा है जो आज भी अपने घरों में सामाजिक कुरीतियों और कुंठित मानसिकता का दंश झेल रही हैं। बचपन में शेर आने की झूठी अफवाह ने इतना निश्चिंत कर दिया कि जब सच में शेर आया तो किसी ने भरोसा ही नहीं किया। झूठे महिला उत्पीड़न के केस भी उसी शेर की झूठी अफवाह जैसे हैं जो असली पीड़ित महिलाओं के दर्द को नजरंदाज कर उन्हें कधनूनी संरक्षण तक पहुँचने ही नहीं देते।

जब भी पुरुषों को यौन उत्पीड़न एवं घरेलू हिंसा के वैधानिक संरक्षण से बाहर रखने पर प्रतिरोध व्यक्त किया जाता है तो प्रायः यह तर्क रखा जाता है कि यदि पुरुषों को भी समान वैधानिक अधिकार दे दिए गए तो उनका दुरुपयोग बहुत होगा। इस प्रकार का तर्क, कुतर्क मात्र हो सकता है क्योंकि यह ना केवल विधायिका की क्षमता एवं दूरदर्शिता पर प्रश्न उठाता है अपितु सम्पूर्ण संविधान एवं न्याय व्यवस्था पर एक भीमकाय प्रश्नचिन्ह खड़ा कर देता है। क्या महिलाओं को दिए गए अधिकारों का दुरुपयोग नहीं हो रहा है? क्या इस भय से कि अधिनियम का दुरुपयोग हो सकता है, अधिनियम ही नहीं बनाये जाएँगे? क्या किसी के दुरुपयोग करने के डर से पीड़ित को न्याय देने की व्यवस्था ही ना की जाए? क्या हमारी न्याय व्यवस्था एवं न्यायाधीश इतने भी सक्षम नहीं कि तथ्य एवं सत्यता तक पहुँच सकें? यदि एक भी व्यक्ति, स्त्री या पुरुष, न्याय से वंचित रह जाता है तो सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था एवं न्याय प्रक्रिया पर प्रश्न उठ जाता है तो फिर जहाँ आधा समाज ही न्याय से वंचित

कर दिया जाता है वहाँ क्या होगा? न्याय बिना किसी भेद–भाव के होना चाहिये, न्याय सबके लिए समान होना चाहिए।

जिस दिन किसी व्यक्ति को अन्याय से लड़ने के बजाय अपना जीवन त्याग देना सरल लगने लगे उस दिन उस व्यक्ति से पहले न्याय–व्यवस्था की सांसें उखड़ जाती हैं। हमारे पुरुषों के लिए ये कहना और समझाना अत्यंत मुश्किल है कि वे भी भावनात्मक और मानसिक रूप से टूट रहे हैं, उन्हें भी बच्चे और पत्नी के बगैर घर काटने को दौड़ता है, उन्हें भी दफ्तर से लौटने कि बाद एक साथी चाहिए मन साझा करने के लिए और उन्हें भी दिल और विश्वास टूटने पर उतना ही कष्ट होता है जितना की महिला को। और इसके बाद भी एक पुरुष से ना केवल समाज बल्कि न्यायालय भी ये उम्मीद करते हैं कि वह केवल भरण पोषण भत्ते पर ध्यान दे और अपने बचाव में मुकदमा लड़े बिना किसी सहानुभूति की आशा किये।

पिछले एक दशक में नयायालयों ने इस बात का संज्ञान लिया है कि महिला संरक्षण अधिनियमों का दुरुपयोग हो रहा है और उन्हें रोकने के लिए कुछ निर्देश भी दिए हैं परंतु वह पर्याप्त नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अर्नेश कुमार के केस में दिए गए निर्देश के उपरांत धारा 498। के अंतर्गत होने वाली फर्जी गिरफ्तारी में भारी कमी आयी है जिसके परिणाम स्वरूप पति के परिवार पर लटकती कारागार की तलवार कुछ दूर तो हुई है। सर्वोच्च न्यायालय ने 10 दिसंबर 2024 को न्यायाधीश बी० वी० नागरत्ना एवं न्यायाधीश एन० कोटेश्वर सिंह की खंडपीठ के द्वारा यह बात मानी कि पिछले कुछ समय में धारा 498 । के प्रावधानों के दुरूपयोग में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी हुई है। न्यायालय ने माना कि इसका दुरुपयोग पति एवं उसके परिवारजनों एवं परिजनों के विरद्ध व्यक्तिगत कलह एवं द्वेष के कारण बदले की भावना से अधि ाक किया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे निराधार आरोपों और विवादों को ठीक से समझ कर शीघ्र नहीं रोका गया तो यह ना केवल वैधानिक प्रावध ाानों का दुरुपयोग होगा अपितु पत्नी द्वारा पति को विवश करने के हथियार के रूप में भी प्रयोग होगा। सर्वोच्च न्यायालय की इस टिपण्णी को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। अतः न्यायव्यवस्था के सभी स्तरों पर यह अनिवार्य हो जाता है कि पति–पत्नी के मध्य विवादों को सुलझाते समय जनपद–न्यायालय भी उतने ही जागरूक हों और प्रयास करें की ऐसे विवाद शीघ्र और न्यायपूर्ण पथ से संपूर्णता की ओर अग्रसर हों ना कि भावनात्मक एवं विस्थापित सहानुभूति का निवाला बन कर एक पक्ष को सम्पूर्ण न्यायिक निराशा का उपहार दें।

परिवार के भीतर की परेशानियों का समाधान मात्र कधनून से तब तक नहीं हो सकता जब तक उस कधनून में संवेदनशीलता, सामाजिक परिवेश और तेजी से बदलते समय का आकलन ना हो। हमें यह बात कभी नहीं भूलनी चाहिए की कानून समाज के लिए है और जो कधनून समाज के साथ कदम से कध्दम मिलाकर नहीं चल सकता वह मृतप्राय हो जाता है। महिलाओं द्वारा अपने हकध के कधनूनों का दुरुपयोग उनके अनुभवों और उनकी सोच का सीधा–सीधा परिणाम है। अगर एक महिला कधनून का उपयोग अपने हकध के लिए नहीं बल्कि किसी पुरुष से बदला लेने और अपनी जिद की पूर्ति के लिए करती है तो एक समाज के तौर पर हमारी और उसके परिवार की हार है और ऐसे दुस्साहस को बिना सही खोज बीन किए यंत्रिक ढंग से जारी रहने देना हमारे कधनूनी व्यवस्था की हार है।

मेरे निजी अनुभव में मुझे इस समस्या की असली गहरायी उस दिन पता चली जिस दिन मैंने पारिवारिक न्यायालय में दो चेहरों को ध्यान से देखा। पहला चेहरा एक 22 साल की युवती का था जिसका तलाकध हो रहा था। उस युवती को मुआवजे के तौर पर ससुराल पक्ष की और से एक चेक दिया गया था। मुझे दुःख और हैरानी दोनों ही अनुभवों से एक साथ गुजरने का अवसर प्राप्त हुआ जब उस युवती के चेहरे पर मैंने सम्बन्ध विच्छेद के दुःख की एक भी लकीर ना पाकर, मुआवजे की रकम मिल जाने की अद्भुत खध्ुशी देखी। वो युवती उस रकम के चेक को देखकर इतनी प्रफुल्लित थी की उसके बाद न्यायाधीश महोदय ने क्या पूछा क्या कहा उसे कुछ भी भान नहीं। उसी दिन दुःख और बेबसी की संयुक्त भावना से भी गुजरना हुआ जब मैंने एक 24–25 साल के युवा पुरुष को तलाक मिलने के बाद कहते सुना "पहले ठीक ही करते थे जो इन्हें मार–पीट कर रखते थे, वरना ये जिद और लालच में आदमी का जीवन बर्बाद कर देती हैं।'

ये दोनो ही घटनाएँ एक अधिवक्ता और एक महिला होने के नाते मुझे झकझोर गयीं क्यूँकि महिला कानूनों के दुरुपयोग के इस दौर ने ना केवल असली पीड़ित महिलाओं के लिए अविश्वास पैदा कर दिया है बल्कि संवेदनशील और अच्छे पुरुषों की दृष्टि में महिलाओं की छवि धूमिल कर दी है और इस स्थिति के लिए समाज और कधनून बराबर जिम्मेदार है।

हम सामाजिक और कधनूनी दोनों तौर पर यह भूल गये कि दुःख और अन्याय का कोई लिंग नहीं होता। दहेज और शोषण पर बली चढ़ी एक बेटी हो या झूठे मुकध्दमे में फँसा एक बेटा, दोनो ही उस महिला की हार है जो एक माँ है और परिवार और समाज के लिए दोनो घातक हैं। न्यायालयों द्वारा यंत्र चलित तरीके से भरण पोषण के अंतर्गत पुरुष को आदेश देने से पहले महिला की शिक्षा, उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि और पुरुष को होने वाली व्यावहारिक और वास्तविक पीड़ा को भी मद्देनजर रखना चाहिए। आज भी अनेकों निर्णयों कि बावजूद न्यायालयों द्वारा ये कहना " भीख माँगिए, उधार लीजिए या चोरी कीजिए परंतु अपनी पत्नी को भरण पोषण भत्ता दीजिए " समाज और महिला सशक्तिकरण को मारा हुआ वो तमाचा है जो मेहनत करके आगे बढ़ने वाली महिलाओं को अपमानित करता है और पति की वैवाहिक जिम्मेदारी को महिला कि लिए पैसे कामने का एक जरिया मात्र बना छोड़ता है। इस तरह की अनुचित सहानुभूति समाज में महिला और पुरुषों के बीच की खाई को और गहरा करते हुए आने वाली पीढ़ी को अविश्वास की और धकेल रही है जिसके दूरगामी परिणाम सोचकर डर लगता है।समाज में सही और संतुलित न्यायिक व्यवस्था ना दे पाने का परिणाम बहुत ही घातक है। चाहे वह महिलाओं का शोषण हो या फिर पुरुष का, दोनों ही स्थिति में लोगों का विवाह जैसी पवित्र व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। परिणामस्वरूप, या तो एक बड़ा वर्ग विवाह से दूर हो जाता है, या फिर विवाह से पहले ही तलाक की तैयारी की जाती है जिसके अंतर्गत विवाह–पूर्व–अनुबंध बनाये जाते हैं। विवाह–पूर्व–अनुबंध विदेशों में प्रचलित हैं परंतु भारत में इनकी कोई मान्यता नहीं है फिर भी कई लोग इसके बारे में प्रश्न करने लगे हैं। इस प्रकार की विचारधारा का जन्म लेना मात्र हमारे समाज के लिए खध्तरे की घंटी है और इनकी उपेक्षा आने वाले समय में हमारे समाज और हमारी संस्कृति के लिए बहुत भारी पड़ेगी।यह असंतुलित व्यवस्था शनैरू द्द शनैरू परिवार में और संबंधों में अविश्वास की जड़ों को सशक्त कर रही है जिसके फलस्वरूप देश की सबसे छोटी इकाई जिसे परिवार कहते हैं, टूट रही है। परिवार देश की जड़ हैं क्योंकी एक देश की सम्पूर्ण सांस्कृतिक एवं आर्थिक सभ्यता का निर्माण एवं संवहन परिवार से ही होता है और इस प्रकार यह देश की जड़ पर प्रहार है। इसलिए यह अब परम–आवश्यक है कि हम शीघ्र ही इस गंभीर समस्या पर लिंग–भेद से परे होकर विचार करें और एक निष्पक्ष एवं संतुलित कधनूनी व्यवस्था का विस्तार करें जिससे की कोई और युवा, पुरुष या महिला, अतुल सुभाष के रास्ते पर ना जाए। इस से पहले की ये असमानता हमरी युवा पीढ़ी की और बलि ले, इसे बदलते सामाजिक परिवेश के हिसाब से ढालना अत्यंत महत्वपूर्ण है। अंत मैं सभी महिलाओं से बस इतना कहना चाहती हूँ की हम एक बहुत लंबे, कष्टदायक और शोषित समय से उबरकर बाहर आने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं और इस लिए कम से कम हमें ये बात बहुत अच्छे से समझनी चाहिए की शोषण और पीड़ा का कोई लिंग नहीं होता और ये पुरुषों कि लिए भी उतनी ही कष्दायक है जितनी हमारे लिए। एक स्त्री होने कि नाते हमें इस बात का बीड़ा उठाना चाहिए की जो अन्याय हमारे साथ हुआ और आज भी बहुत जगह हो रहा है, हम वो अन्याय ना ही अपने साथ और ना ही किसी पुरुष के साथ होने देंगे। जिस दिन हर महिला बस इतना समझ लेगी, उस दिन बिना किसी कधनूनी बदलाव के भी, कोई अतुल सुभाष अपना जीवन देने के लिए मजबूर नहीं होगा।

हैल्थ कवरेज की राह में कई अड़चनें

जैसा कि हमेशा से कहा जाता रहा है कि 'हैल्थ इज वैल्थ', वाकई में सही भी है क्योंकि अगर आपका स्वास्थ्य ही अच्छा नहीं है तो भौतिक संपत्ति के भी कोई मायने नहीं है। यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज का मतलब है कि सभी लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं बिना किसी वित्तीय कठिनाई के जब और जहां उन्हें इसकी आवश्यकता हो, उपलब्ध हो सके। हालांकि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इससे संबंधित आंकड़े बड़े भयावह हैं। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 4.5 बिलियन लोग आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से पूरी तरह कवर नहीं हैं। वर्ष 2021 के इन आंकड़ों में लगभग 2 बिलियन लोग स्वास्थ्य सुविधा के लिए वित्तीय कठिनाई का सामना कर रहे हैं एवं 344 मिलियन लोग स्वास्थ्य खर्चों के चलते अत्यधिक गरीबी की ओर जा रहे हैं। यह स्थिति किसी भी देश के सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए ठीक नहीं है।हमारे देश में यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज की राह में कई अड़चनें हैं, जिनमें अपर्याप्त बुनियादी ढांचा, स्वस्थ जीवन शैली और निवारक स्वास्थ्य उपायों के बारे में जागरूकता की कमी, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय पर बहुत कम निवेश, पंचवर्षीय योजनाओं में स्वास्थ्य को कम आवंटन आदि शामिल हैं। विश्व आर्थिक मंच के अनुसार 2021 में स्वास्थ्य सेवा पर वैश्विक व्यय 9.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 10.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से शहरी देशों में तेज रफ्तार वाली जीवन शैली के चलते उत्पन्न हुई अवांछित स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत से वित्तीय बोझ में बढ़ोतरी हुई है। यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज व्यक्तियों एवं परिवारों को बड़े स्वास्थ्य सेवा खर्चों से बचाता है एवं अनावश्यक वित्तीय बोझ को कम करता है।

सबको स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के मकसद से आयुष्मान भारत योजना वर्तमान में कार्यरत है जो यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज की जरूरतों को समग्र रूप से पूर्ण करती है। अन्य योजनाओं में नेशनल रूरल व अर्बन हैल्थ मिशन, आयुष्मान भारत डिजिटल हैल्थ मिशन, नेशनल आयुष मिशन व जनऔषधि परियोजना भी प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन सबके बावजूद शत प्रतिशत यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज अभी भी दूर की कौड़ी है, जिसके लिए विभिन्न स्तरों पर समन्वित प्रयासों की दरकार है। जन स्वास्थ्य पर व्यय को जीडीपी के अनुपात में बढ़ाना होगा। स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ करने के लिए स्वास्थ्य पेशेवरों की भर्ती में वृद्धि, दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त आपूर्ति को सुनिश्चित करना होगा। प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत कर स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करना आज की महत्ती आवश्यकता है।

इतिहास में अनेक उतार–चढ़ाव आते रहे

भारत डोगरा

इतिहास को कई बार राजा–रानियों के इतिहास और विभिन्न शासकों के आपसी युद्धों के संदर्भ में अधिक देखा जाता है। इससे कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण यह समझ बनाना है कि इतिहास के किस दौर में मनुष्य ने, जनसाधारण ने बेहतर प्रगति की और कब वे पीछे हटे। उनके आगे बढ़ने या पिछड़ने के क्या कारण थे। यह समझना बहुत आवश्यक है।

प्रायरू मान लिया जाता है कि समय के साथ–साथ मनुष्य ने प्रगति अवश्य की होगी क्योंकि जैसे–जैसे विभिन्न आविष्कार होते गए, वैसे–वैसे मनुष्य की क्षमताएं बढ़ती गई होंगी। यह इतिहास की बहुत संकीर्ण व्याख्या है जो प्रगति की सही समझ पर आधारित नहीं है। मान लीजिए कि विज्ञान ने प्रगति की, नये आविष्कार हुए पर इन सबका दुरुपयोग ऐसे हुआ कि युद्ध महाविनाशक हथियारों से लड़े जाने लगे और पर्यावरण का बहुत विनाश होने लगा। तो इसे प्रगति कैसे माना जा सकता है? वास्तव में मनुष्य की प्रगति तो तब मानी जाएगी जब न्याय और समता, अमन–शांति, पर्यावरण और अन्य जीवों की रक्षा, परस्पर सहयोग और समन्वय की स्थितियां बेहतर होंगी।अतरू इतिहास के विभिन्न दौरों में हमें यह देखना होगा कि ऐसी स्थितियां आगे बढ़ती हैं या नहीं। मनुष्य आज जिस रूप में है, उससे मिलती–जुलती स्थिति में मनुष्य की मौजूदगी लगभग एक लाख वर्ष पूर्व दर्ज हुई है। यह कुछ कम अधिक भी हो सकती है पर मोटे तौर पर हम कह सकते हैं कि लगभग एक लाख वर्ष पहले हमारे जैसे मनुष्य धरती के अनेक भागों पर नजर आने लगे थे। दूसरी ओर, एक स्थान पर रह कर कृषि की शुरुआत लगभग 10 हजार वर्ष पूर्व ही आरंभ हुई। इस तरह अपने एक लाख वर्ष के इतिहास के पहले 9०० वर्षो में मनुष्य की मूल प्रवृत्ति यह थी कि वह छोटे समूहों में रहते थे और अधिकतर फल–फूल, कंद–मूल एकत्र कर और अवसर मिलने पर छोटा–बड़ा शिकार कर पेट भरते थे। आसपास उपलब्ध संसाधनों से वस्त्र और आवास की आपूर्ति कर लेते थे और मामूली औजार बना लेते थे।अधिक महत्त्वपूर्ण बात यह थी कि ये समुदाय समता और सहयोग पर आधारित थे और उनमें ऊंच–नीच नहीं थी। अपनी जरूरतों को एकत्र करने में एक समुदाय के विभिन्न परिवार और व्यक्ति एक दूसरे के साथ सहयोग करते थे और जो भोजन एकत्र करते थे उसे मिल–बांटकर खाते थे। महिलाओं को सम्मान मिलता था और उनसे जोर–जुल्म नहीं होता था। कोई राजा या गुलाम नहीं था। विभिन्न समुदायों में भी आपसी युद्ध नहीं होता था और एक स्थान पर खाद्य उपलब्ध न होने पर कोई समुदाय दूसरे से लड़ने के स्थान पर दूसरे स्थान पर चला जाता था। मूल प्रवृत्ति घुमंतुपन की ही थी। अतरू इसमें किसी को कोई बड़ी दिक्कत भी नहीं थी। यह सब इसलिए भी समझना है क्योंकि कई बार बड़ी लापरवाही से कह दिया जाता है कि लड़ने–झगड़ने, छीना–छपटी और दूसरों को दबाकर रखने की मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति ही है।

अतरू यह जोर देकर कहना चाहिए कि मनुष्य के इतिहास के पहले 90 प्रतिशत समय में युद्ध, छीना–छपटी, लड़ाई–झगड़े, दूसरों को दबा कर रखना, ऊंच–नीच, राजा–प्रजा ये सब प्रवृत्तियां मनुष्य में नहीं थीं (या बहुत कम थीं) जबकि सहयोग, समता, मिल–बांटकर खाने, अमन–शांति से रहने की प्रवृत्तियां कहीं अधिक थीं।

यह एक बड़ी विडंबना है कि जिस समय मनुष्य इस घुमंतु और सादे जीवन के दौर से निकल कर ऐसे दौर में आया जिसे श्सभ्यताय या सिविलाइजेशन कहा जाता है तभी से मानव–जीवन में ऊंच–नीच, दूसरों को दबाने और शोषण की प्रवृत्ति, युद्ध और लड़ने–झगड़ने की प्रवृत्ति भी अधिक आ गई। ऐसा कैसे हुआ?घुमंतु और आस–पास से भोजन एकत्र करने के दौर में ही मनुष्य ने पौधे उगाना सीखा और फिर धीरे–धीरे गांव बसा कर खेती करने लगा। कुछ समय तक यह मजे से चला पर सूखा पड़ने पर फसल सूख जाती थी। अतरू भंडार बनाने की जरूरत महसूस हुई और फिर ये भंडार बढ़ने लगे। इन भंडारों की व्यवस्था कौन करे? इसके लिए कहीं पर पूजा–पाठ करने वाले आगे आए तो कहीं सैन्य क्षमता वाले। पहले उन्होंने व्यवस्था की, फिर भंडार अपने नियंत्रण में लिए, फिर साधारण किसानों से इसके लिए वसूली की। जहां भंडार अधिक समृद्ध हो गए, उस पर ऐसे लोगों की नजर पड़ी जिनके पास भंडार नहीं थे और उन्होंने ताकत के बल पर इन भंडारों को लूटने का प्रयास किया। इस तरह ऊंच–नीच, शोषण, छीना–छपटी, यृद्ध, राजा–प्रजा की प्रवृत्तियां बढ़ने लगीं ।जब गांव और कृषि की उत्पादकता बढ़ी और आधिपत्य करने वालों ने किसानों से अधिक हिस्सा प्राप्त किया और इसके बल पर धीरे–धीरे शहरी सभ्यताओं की ओर बढ़े पर इन सभ्यताओं के पनपने और उनकी समृद्धि के साथ असमानता और शोषण भी बढ़ गए और शासक वर्ग अपनी विलासिता पर ही नहीं अपने भवनों और मकबरों पर भी अत्यधिक संसाधन खर्च करने लगे ।इन्हें अंत में किसानों और मेहनतकशों के शोषण से प्राप्त किया। चंद सभ्यताओं की समृद्धि बढ़ी तो उन पर बाहरी हमले भी बढ़ने लगे और इन युद्धों के बंदियों को गुलाम भी बनाया जाने लगा।

दूसरी ओर, जब जोर–जुल्म बढ़े तो इससे परेशान लोगों में नये सिरे से अमन–शांति, समानता और सादगी के लिए गहरी चाह उत्पन्न हुई और इसके फलस्वरूप कभी महात्मा बुद्ध के रूप में तो कभी महावीर जैन के रूप में अहिंसा, अमन–शांति, सादगी और सद्विचार का संदश देने वाले महान मार्गदर्शकों ने नई राह दिखाई। यहां तक कि सम्राट अशोक जैसे महान विजेता शासक ने भी एक बड़ी विजय के बाद अमन–शांति की राह अपनाने में ही संतोष प्राप्त किया। दूसरी ओर, प्राचीन सभ्यताओं के विकास में जो रोमन साम्राज्य सबसे अधिक विस्तारवादी और पराक्रमी होने का गौरव रखता था, जिसकी सड़कों और भवनों का वैभव दूर–दूर तक विख्यात था, उस रोम साम्राज्य में ही गुलाम प्रथा, शोषण, विषमता, विलासिता, बुरे व्यसनों और चरित्र की गिरावट की भी पराकाष्ठा देखी गई ।इस तरह इतिहास में अनेक उतार–चढ़ाव आते रहे पर एक मूल प्रवृत्ति यह देखी गई कि जब भी अमन–शांति, सहयोग और समता, न्याय और करुणा, पर्यावरण और जीव–जंतुओं की रक्षा पर अधिक ध्यान दिया गया। तभी मानव समाज को अधिक खुशहाली, सुकून संतोष मिल सके और वास्तविक प्रगति दे सके। यह इतिहास का एक बड़ा सबक है कि प्रगति, न्याय और समता, अमन–शांति और पर्यावरण की राह प्राप्त होती है, और इसके लिए सतत प्रयास करना पड़ता है।

छात्रवृत्ति योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये-जिलाधिकारी

योजना के सम्बन्ध में ि◻क्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यो के साथ की बैठक

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार में पूर्वदशम्/दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य/प्रधानाचार्यो के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने पूर्वदशम् एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होने बताया कि पूर्वदशम् छात्रवृत्ति (कक्षा 9–10) हेतु छात्रों द्वारा आनलाइन आवेदन 10 जनवरी तक किये जायेगें, विद्यालय द्वारा 20 जनवरी तक आवेदन पत्र को आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किये जायेगें। पूर्वदशम् छात्रवृति योजनानतर्गत समस्त छात्र/छात्राओं के आनलाइन आवेदन पत्र में आय प्रमाण में माता–पिता की वार्षिक आय सीमा अनुसूचित जाति व सामान्य वर्ग हेतु 2.50 लाख रूपये है। उन्होने बताया है कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों द्वारा 31 मार्च तक व सामान्य वर्ग के छात्रों द्वारा 11 जनवरी तक आनलाइन आवेदन किया जायेगा, शिक्षण संस्थाओं द्वारा अनुसूचित जाति के आवेदन पत्र को 16 अप्रैल व सामान्य वर्ग के छात्रों के आवेदन पत्र 23 जनवरी तक आनलाईन सत्यापित एवं अग्रसारित किये जायेगें। द्वितीय चरण में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं सामान्य वर्ग के छात्रों द्वारा आनलाइन

आवेदन 15 जनवरी तक किये जायेगें तथा शिक्षण संस्थाओं द्वारा 25 जनवरी तक आवेदन पत्र को आनलाईन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा। दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना में माता–पिता की वार्षिक आय सीमा अनुसूचित जाति की 2.50 लाख रूपये एवं सामान्य वर्ग की 2.00 लाख रूपये निर्धारित है।

जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्यो को निर्देशित किया कि छात्रवृत्ति छात्र–छात्राओं के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है यदि पात्रता के बावजूद भी छात्रवृत्ति का लाभ नही मिल पाता है तो यह बहुत चिन्ताजनक बात है, केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा छात्रवृत्ति का लाभ छात्र–छात्राओं को दिया जा रहा है, छात्रों के भविष्य को देखते हुये हमारा प्रयास होना चाहिये कि छात्रवृत्ति हेतु जो भी समस्यायें आ रही है उसका निराकरण कराकर छात्रवृत्ति का लाभ छात्र–छात्राओं को दिलाना चाहिये। छात्र–छात्राओं की भलाई के लिये हम सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिये जिससे उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्यो को निर्देशित किया कि जिन शिक्षण संस्थानों में पूर्वदशम्/दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत जो भी आवेदन लम्बित है उनका निराकरण 20 से 25 जनवरी तक अवश्य करा लिया जाये जिससे छात्रवृत्ति हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा सके। उन्होने कहा कि छात्रवृत्ति हेतु छात्र–छात्राओं के जो भी अभिलेख लगते हो उन्हें समय रहते बच्चों के जानकारी दे दें जिससे छात्र–छात्रायें अपने समस्त कागजात बनवा लें। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि छात्र–छात्राओं के छात्रवृत्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं उदासीनता कदापि न बरती जाये, सभी अपने कार्यो एवं दायित्वों के प्रति सजग रहे और पात्र छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ अवश्य दिया जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, राजकीय इंजीनियरिंग कालेज के निदेशक/प्राचार्य एन सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक आरपी सरोज सहित डा0 विन्ध्याचल सिंह, डा0 मो0 अनीस व शिक्षण संस्थान के प्राचार्य/प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

विशेष पुनरीक्षण को लेकर समीक्षा बैठक

सोनभद्र। अर्हता तिथिके आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावालियों का विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत तृतीय भ्रमण के दौरान चेकलिस्ट के अनुसार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के साथ रोल आब्जर्वर/आयुक्त विंध्याचल मण्डल मीरजापुर डॉ0मुथुकुमार स्वामी बी ने समीक्षा बैठक की। इस मौके पर जिलाधिकारी बीएन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बड़ौदा यूपी बैंक अंजान शहीद के शाखा के सहायक प्रबंधक की गई विदाई

आजमगढ़। सगड़ी तहसील अंतर्गत अंजना शहीद बाजार के बड़ौदा यूपी बैंक अंजान शहीद के शाखा के सहायक प्रबंधक की गई विदाई समारोह का आयोजन किया गया जनपद के क्षेत्रीय प्रबंधक ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव,पूर्व छेत्रीय प्रबंधक गामा,एक के सिंह,रामेश्वर और विभिन्न शाखा से शाखा प्रबंधको व बैंक के सम्मानित ग्राहकों ने उपस्थित होकर फूल माला ,साल,रामायण, बुके, रामलला की तस्वीर देकर स्वागत करते हुवे उनके सेवानिवृत होने की शुभकामनाएं दीं उक्त अवसर पर त्रिपाठी जी का परिवार भी उपस्थित रहा उनकी पत्नी ने अपनी खट्टी मीठी यादों की तस्वीर भेंटकर यादों को ताजा किया कार्यक्रम के आयोजक शाखा के प्रबंधक कपिल चौहान जी ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुवे आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के अंत में लोगों ने जलपान करते हुवे त्रिपाठी जी को दुबारा रूबरू होते हुवे अपने घर को वापस हुवे,

संक्षेप

न्याय की मांग को लेकर पहुंचा

आजमगढ़। जनपद के प्रयास संगठन के लोगों ने आज मंगलवार के दिन लगभग 1रू00 बजे जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर नगर के सिधारी में स्थित एक निजी हास्पिटल द्वारा एक मरीज को गलत ब्लड चढ़ाने पर हुई मौत के संबंध न्याय की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। संगठन के लोगों का कहना है कि कोई भी मरीज अपने उत्तम स्वास्थ्य के लिए पूर्ण विश्वास के साथ किसी भी हास्पिटल या चिकित्सक से उपचार हेतु चिकित्सकीय परामर्श लेता है लेकिन ऐसी चिकित्सकीय लापरवाही मानवता के परे और अक्षम्य है। प्रयास के लोगों ने उक्त मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को अति आवश्यक बताया है। ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सकें। न्याय मिलने तक संगठन मृतक परिजनों के साथ है, उनके द्वारा सिधारी थाने पर दिए गये तहरीर के आधार पर निष्पक्ष कार्यवाही किया जाना अत्यंत आवश्यक है ताकि मानव जीवन के साथ लापरवाही करने वाले दोषी को कड़ी से कड़ी सजा मिल सकें। जिस संबंध में प्रयास संगठन के लोगों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन के माध्यम से उक्त अस्पताल पर निष्पक्ष एवं कड़ी कार्रवाई की मांग की है जिससे मृतक के परिजनों को न्याय मिल सके।

भय बनकर ठगे 4.33 लाख

आजमगढ़। शहर की बीएमजी सीटी निवासी एक व्यक्ति को व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल कर उसकी गलत वीडियो बना ली। फिर वायरल करने का डर दिखाकर 4.33 लाख रुपये ठग लिए गए। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।थाना साइबर क्राइम को आजमगढ़ जिले के एक गांव के व्यक्ति ने बताया कि उनके पास 15 दिसंबर को व्हाट्सएप पर अनजान लड़की ने वीडियो कॉल किया। कॉल उठाते ही लड़की अश्लील हरकत करने लगी। उसने वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की बात कहकर वीडियो डिलीट करवाने के लिए 5 लाख रुपये मांगे। उसने एक यूपीआई आईडी भेजी, जिस पर उन्होंने 16 दिसंबर को 61 हजार 500 रुपये, फिर 35 हजार 500 रुपये भेज दिए। उन्होंने बताया कि इसके बाद भी उन्हें लगातार धमकाया गया। इस पर उन्होंने खाते से 50 हजार व 1.66 लाख, 1.20 लाख भेज दिए। उन्होंने बताया कि इस तरह से उनके साथ कुल 4.33 हजार रुपये की धोखाधड़ी हुई है।

उड़ाका दल ने दौड़ाया

आजमगढ़। उड़ाका दल की टीम ने सोमवार को राजपति यादव महाविद्यालय नरईपुर सरायमीर में छापा मारा। टीम ने खेत में लिखी जा रही बीए व बीएससी की कॉपियाां पकड़ीं। कॉपियां लिखने वाले टीम को देखकर भागने लगे।उन्हें उड़ाका दल ने दौड़ा लिया। उड़ाका दल व स्कूल संचालक देर शाम तक सरायमीर थाने पर जुटे रहे। घंटों पंचायत होती रही। कुलसचिव ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।जिले में बीए, बीएससी की परीक्षा चल रही है। सोमवार को शाम की पाली में केंद्रों पर परीक्षा चल रही थी। परीक्षा को सकुशल कराने के लिए उड़ाका दल भी केंद्रों पर पहुंचकर जांच–पड़ताल कर रहा था। टीम राजपति यादव महाविद्यालय नरईपुर सरायमीर में पहुंची। इस दौरान कॉपियों का मिलान कराया तो कम पाई गईं। टीम ने कॉलेज के पीछे देखा तो कुल लोग खेत में कॉपियां लिख रहे थे। टीम ने दौड़ाया तो वे लोग कॉपियां फेंककर भागने लगे। टीम ने कुछ कॉपियां खेत से बरामद कीं। टीम संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए सरायमीर थाने पर पहुंची। देर शाम तक कोई तहरीर नहीं पड़ सकी थी। थाने पर घंटों पंचायत चलती रही। राजपति यादव महाविद्यालय नरईपुर सरायमीर में सामूहिक नकल करते हुए पाया गया। केंद्र को डीबार करने की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले को परीक्षा संचालन समिति के समक्ष रखा जाएगा। हो सकता है परीक्षा निरस्त कर दुबारा परीक्षा कराई जाए।– विशेश्वर प्रसाद, कुलसचिव, महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़।

वीर बाल दिवस पर संगोष्ठी

सिद्धौर, बाराबंकी। सतगुरु इंटर कॉलेज सेमरावा मे मंगलवार को ब्लॉक प्रमुख आरती रावत की अध्यक्षता में बीर बाल दिवस की संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्बबोधन में प्रमुख ने गुरु गोविंद सिंह के शहीद पुत्रों बाबा जोयवीर तथा बाबा फतेह सिंह के देश धर्म के प्रति त्याग एवं बलिदान के बारे में विधिवत चर्चा करते हुए छात्रों एवं उपस्थित लोगों के हृदय में देश प्रेम जागृत किया। मंडल अध्यक्ष प्रवीण सिंह सिसोदिया ने कहां इन पुत्रन के शीश पर वार दिए सुत चार। चार मुए तो क्या भया जीवित कई हजार। इस मौके पर विद्यालय अध्यक्ष गोपीनाथ द्विवेदी,प्रबंधक संतोष शुक्ला,प्रधान सत्यनाम सिंह वर्मा गुड्डू प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष तिवारी चेयरमैन प्रतिनिधि लल्लू रावत डॉ राजेंद्र वर्मा प्रमोद वर्मा रमाकांत शर्मा रामराज कनौजिया हनुमान वर्मा जितेंद्र वर्मा तेज बक्स सिंह सहित काफी संख्या में छात्र व स्थानीय संभ्रांत नागरिक का उपस्थित थे।

शाहपुर के विद्यालय ने जीती प्रतियोगिता

रामनगर बाराबंकी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गणेशपुर में कहानी सुनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्राचार्य डॉ राजेश कुमार आर्य के मार्गदर्शन में नोडल प्रवक्ता अभिसारिका वर्मा द्वारा प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. एके वर्मा एसोसिएट प्रोफेसर रामनगर पीजी कॉलेज एवं डॉक्टर राजीव यादव असिस्टेंट प्रोफेसर नेताजी सुभाष चंद्र बोस गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज अलीगंज लखनऊ ने अपना निर्णय दिया। जिसमें प्राथमिक स्तर पर प्राथमिक विद्यालय कटियारा के प्रधानाध्यापक संदीप सिंह उच्च प्राथमिक स्तर पर कमलेश वर्मा सहायक अध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय शाहपुर फतेहपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रवक्ता महेंद्र यादव, लालचंद, जितेंद्र कुमार सोनकर सहित तमाम लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समिति पर विधायक ने बेचा धान

सूरतगंज बाराबंकी। ब्लॉक सूरतगंज इलाके के बरैया में उस वक्त हड़कंप मच गया जब बाराबंकी के किसान देवरिया सदर के विधायक और बीजेपी के प्रवक्ता शलभमणि त्रिपाठी अपना धान बेचने सोमवार दोपहर साधन सहकारी समिति बरैया सूरतगंज पहुंच गए। विधायक शलभमणि त्रिपाठी ने जहां एक ओर अपना अंगूठा लगाकर धान बिक्री किया तो वहीं दूसरी ओर मौजूद किसानों से रूबरू होते हुए धान की बिक्री में किसी प्रकार की समस्या तो नहीं है इसकी जानकारी भी ली। किसानों से संतुष्ट दिखे विधायक ने क्षेत्रीय विपणन अधिकारी शैलेंद्र कुमार वर्मा की सराहना भी की। बता दें कि सूरतगंज ब्लॉक इलाके के चन्दूरा व फिरोजपुर गांव में देवरिया विधायक की कृषि योग्य जमीन है जिसमें वह खेती करवाते हैं। इस दौरान ग्राम पंचायत सदस्य महासभा उत्तर प्रदेश के मुख्य संगठन मंत्री ध्रुव कुमार सिंह, कमलेश सिंह,विशाल सिंह,राजू सिंह, शुभम,बसंत लाल सहित अनेकों किसान मौजूद रहे।

प्रतिमा समेत विजय पताका व तमसा नदी की हुई पूजा

चित्रकूट। प्रभु श्रीराम के आदर्श को लिपिबद्ध कर संपूर्ण सृष्टि को कालजयी रचना रामायण का अनुपम उपहार देने वाले आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर वाल्मीकि रामायण पाठ, भजन कीर्तन, हवन बाल्मीकि आश्रम लालपुर में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव एवं महंत भरत दास जी महाराज, जिला पर्यटन व संस्कृति विभाग अध्यक्ष आनंद सिंह पटेल, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश खरे, पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, भाजपा महामंत्री अश्वनी अवस्थी, आलोक पांडेय, सह प्रांत संघ संचालक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कानपुर प्रान्त वीरेंद्र चतुर्वेदी, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा रामचंद्र कनौजिया, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख मानिकपुर अरविंद मिश्रा की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम सभी संत, महात्माओं एवं जनप्रतिनिधियों ने वाल्मीकि जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। तमसा नदी का पूजा अर्चन की। तत्पश्चात हरीसंकरी पौधे का रोपण किया। बाल्मीकि स्थल पर लगे विजय पताका की आरती एवं पूजा की गई।

इस अवसर पर लोक कलाकार दयाराम रैकवार बांदा ने रामायण पाठ एवं संगीतमय लवकुश प्रसंग प्रस्तुत किया गया। कामदगिरि आरती स्थल के विपिन विराट महाराज की टीम ने रामजय, आरती एवं स्वास्तिक वाचन प्रस्तुत किया। इसके बाद हवन किया गया। इस अवसर पर रामलीला समिति बांदा ने लौकिक प्रसंग सुनाया।

लोगों की षिकायतों के निस्तारण लाइ जाए तेजी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। शिकायतकर्ता देवेन्द्र बहादुर सिंह निवासी पूरबगांव ने शिकायत किया कि मेरे जमीन गाटा संख्या 209 के बगल से चकमार्ग संख्या 197 तथा नाली संख्या 196 है जो कि बगल के लोगों द्वारा जोत लिया गया है जिससे मेरे चक की जोताई बुवाई नहीं हो पा रही है चकमार्ग को घेरकर अवरूद्ध किये हुये है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार सदर को निर्देशित किया है कि चकमार्ग का सीमांकन कर खाली कराने की कार्यवाही की जाये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

जनपद में कार्य करना चुनौतीपूर्ण : डा0 दिनेष

जौनपुर (आरएनएस) । पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 19 से 24 दिसंबर के मध्य सुशासन सप्ताह–प्रशासन गांव की ओर मनाया जा रहा है। मुख्य अतिथि पूर्व जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में तथा जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की उपस्थिति में एक कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने जनपद में अपने कार्यकाल के दौरान के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि कोरोना काल के दौरान जनपद में कार्य करना बेहद चुनौती पूर्ण रहा। कोरोना काल के दौरान सभी अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा दिये गये सेवाओंध योगदान हेतु सबका धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल के दौरान निर्विवाद वरासत के मामलों को निपटाया। इस सुशासन सप्ताह में उन्होंने उम्मीद किया कि निर्विवाद वरासत के मामलों में सभी का वरासत दर्ज कराया जाए, जिससे किसी भी परिवार को भटकना न पड़े, अभियान चलाकर अंश निर्धारण की प्रक्रिया पर

निवर्तमान जिलाधिकारी द्वारा की जा रही कार्यवाही पर प्रशंसा जाहिर करते हुए कहा कि अंशनिर्धारण की प्रक्रिया पारदर्शी और त्रुटिरहित होनी चाहिए। पैमाइश के मामलों में शासन बेहद गंभीर हैं, पैमाइश के मामलों का निराकरण कराये। पूर्व जिलाधिकारी द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान किए गए बदलाव नवाचारों को भी साझा किया। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग में किए गए अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि ऐसे छात्र जो पढ़ाई में कमजोर हैं सभी शिक्षक ऐसे 15 छात्रों को अपने संतान समतुल्य मानकर बच्चों के हित में कार्य करें। इस दौरान उन्होंने सुईथाकला के आगनबाड़ी केन्द्र की सराहना की। पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा, ज्वाइट मजिस्ट्रेट, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी विधा0 सहित राजस्व विभाग, सहित अन्य विभागों में उल्लेखनीय प्रशंसात्मक कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और शॉल देकर सम्मानित किया । उन्होंने सुशासन के कांसेप्ट को समझाते हुए कहा कि जो भी हम एक साधारण इंसान के रूप में चाहते हैं वही दूसरों के लिए करें यही सुशासन की परिकल्पना है। उन्होंने वर्तमान जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा जनपद में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। धकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने जन शिकायतों के निस्तारण हेतु हम प्रतिबद्ध है। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत निवारण, आनलाइन सर्विस डिलीवरी आदि को हमारे अधिकारीध्कर्मचारी मिलकर कटिबद्धता के साथ जनहितकारी योजनाओं को सहज, सुलभ और तीव्रता के साथ लोगो तक पहुचाने हेतु प्रयास करे।

रोडवेज और हाफ डाला में टक्कर, पांच गम्भीर

बेलहरा बाराबंकी। तहसील फतेहपुर के थाना मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर बेलहरा मार्ग पर भटुवामऊ में रोडवेज बस और सब्जियां लादे हुए आ रहें हाफ डाले की आमने–सामने से जोर दार टक्कर हो गई जिसमे बस सड़क किनारे गहरी खाई मे जाकर पलट गई बस पलटते ही उसमें सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह बेलहरा पेट्रोल पंप के निकट स्थित सुरजनपुर मोड फतेहपुर बेलहरा मार्ग पर बाराबंकी से बहादुरगंज जा रही रोडवेज बस की सामने से सब्जी लादकर आ रहे हाफ डाले मे आमने–सामने से जोर दार टक्कर हो गई। दुर्घटना होते ही बस चालक का नियंत्रण खोने से बस सड़क किनारे करीब दस फिट गहरी खाई में जाकर पलट गई। हादसा होते ही मौके पर चीख पुकार मच गई लोगों की सूचना पर पहुंचे कोतवाल अनिल सिंह ने राहगीरों की मदद से राहत बचाव कार्य कर बस में सवार करीब दो दर्जन लोगों को बाहर निकाला। हादसे मे सर्वेश कुमार (23) निवासी जानकीनगर रामपुर मथुरा सीतापुर, प्रियंका मिश्रा(33) निवासी शिवपुरी कॉलोनी बाराबंकी, मोहम्मद आमिर (28) निवासी रट्टू कोडा बहादुरगंज थाना रामपुर मथुरा सीतापुर, राम सहारे मिश्र (45) व प्रदीप मिश्र(30) निवासी रामनगरा पारा थाना रामपुर मथुरा सीतापुर घायल हो गए जिन्हें एंबुलेंस की मदद से तत्काल उपचार के लिए फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पुलिस ने लाकर भर्ती कराया जहां मौजूद चिकित्सकों ने सभी घायलों का उपचार शुरू किया कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि हाफ डाला और रोडवेज की टक्कर होने से बस खाई में जाकर पलट गई।

थाना नवाबगंज व एस0ओ0जी0/सर्विलांस सेल गंगानगर द्वारा ऑनलाइन ठगी करने वाले 05 अभियुक्त गिरफ्तार

नवाबगंज। नवाबगंज पुलिस व एस0ओ0जी0ध्सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा ऑनलाइन ठगी करने वाले 05 अभियुक्त 1. आलोक राज कुर्मी पुत्र महेन्द्र प्रसाद निवासी राजा विगहा थाना अस्थामा जनपद नालन्दा बिहार 2. सुखवेन्द्र कुमार पुत्र बनारस प्रसाद कुर्मी निवासी ग्राम विलासपुर थाना मानपुर जनपद नालन्दा बिहार 3. निखिल शुक्ला पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी ग्राम इस्माइलपुर थाना सोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 4. संदीप कुमार सरोज पुत्र लाल बहादुर सरोज निवासी ग्राम बीरनपुर थाना मान्धाता जनपद प्रतापगढ़ 5. मो0 मुकीम सलमान पुत्र मो0 मोईन निवासी ग्राम कुल्हीपुर थाना मान्धाता जनपद प्रतापगढ़ को शनिवार को थाना नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत अटरामपुर रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया । उपरोक्त अभियुक्तों के कब्जे से 32 नये ए0टी0एम0 कार्ड, 41 पासबुक, 23 चेकबुक, 07 पैन कार्ड, 04 कोटक महिन्द्रा बैंक का भरा हुआ फार्म व 20 कूटरचित आधार कार्ड

➢ गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से कब्जे से 32 नये ए0टी0एम0 कार्ड, 41 पासबुक, 23 चेकबुक, 07 पैन कार्ड, 04 कोटक महिन्द्रा बैंक का भरा हुआ फार्म व 20 कूटरचित आधार कार्ड बरामद

बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारीध बरामदगी के आधार पर थाना नवाबगंज में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी ।

अपराध करने का तरीका– गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ करने पर बताया कि हम लोग गांव के भोले भाले लोगों को बैंक खता खुलवाने के बदले पैसे देने का लालच में लेकर उनसे आधार कार्ड ले लिया करते थे और उनमें कूटरचना कर फर्जी आधार कार्ड बनाकर विभिन्न बैंक में खाता खुलवाते थे और उन खातों को बिहार में साइबर ठगी करने वाले गिरोह को महंगे दाम में बेचा करते थे । इनके पास से 32 नए ए0टी0एम0 कार्ड, 41 नई पासबुक, 23 नई चेकबुक, 07 फर्जी पैन कार्ड, 04 कोटक महिन्द्रा बैंक का भरा हुआ फार्म व 20 कूटरचित आधार कार्ड बरामद हुए है । गिरफ्तार अभियुक्तों का एक गैंग है जिसका सरगना गौतम कुर्मी पुत्र धनन्जय प्रसाद ग्राम राजा बिगहा थाना अस्थामा जनपद नालंदा बिहार है, जिसकी गिरफ्तारी अभी शेष है ।

गिरफ्तारीध्बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में अनिल कुमार मिश्रा प्रभारी निरीक्षक थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज।उ0नि0 सुखचौन तिवारी, प्रभारी एस0ओ0जी0ध्सर्विलांस सेल गंगानगर ।उ0नि0 सर्वेश कुमार,। उ0नि0 अतुल वर्मा,उ0नि0 मनीष पाण्डेय। उ0नि0 वीरेन्द्र तिवारी, थाना नवाबगंज। हे0का0 अगंद गिरी, हे0का0 राजेश यादव, हे0का0 रबीश चन्द्र यादव, सर्विलांस सेल गंगानगर ।हे0का0 देवेन्द्र प्रताप सिंह,रविन्द्र यादव । हे0का0 अनुग्रह वर्मा। का0 समीर प्रताप सिंह। का0 पियूष पंकज चौहान,का0 विशाल कुमार, एस ओ जी गंगानगरका0 संदीप कुमार,का0 वीरेन्द्र कुमार,का0 मंजीत कुमार थाना नवाबगंज,म0का0 प्रियंका पाल, सर्विलांस सेल गंगानगर आदि शामिल रहे।

कृषि प्रक्षेत्र का निरीक्षण, बांटी किट, दिए निर्देष

रामसनेहीघाट, बाराबंकी(आरएनएस)। बुधवार को कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका एस गर्ग ने तहसील रामसनेहीघाट क्षेत्र के मालिनपुर में स्थित राजकीय कृषि प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होने बीज उत्पादन का निरीक्षण किया व सुपर सीडर के माध्यम से गेहूं की बुवाई भी प्रारम्भ कराई गई। मालिनपुर प्रक्षेत्र पर समय से खरीफ फसलों की कटाई एवं रबी फसलों की बुवाई पर प्रसन्नता व्यक्त की।

इस मौके पर उप कृषि निदेशक ने बताया कि मालिनपुर प्रक्षेत्र का कुल कृषित क्षेत्रफल 11.42 हे0 है, जिसमें से रबी में 01 हे0 में चना की बुवाई करा दी गई है जबकि 10.42 हे0 में गेहूं ब्रीडर बीज की बुवाई कराई जा रही है। इसके बादकृषि उत्पादन आयुक्त ने किसान कल्याण केन्द्र, बनीकोडर का भी निरीक्षण किया। वहां पर मौजूद किसानों को पाश मशीन के माध्यम से सरसो एवं चना के निःशुल्क मिनीकिट की भी वितरित की। विकास खण्ड बनीकोडर के प्रगतिशील कृषक दिलीप वर्मा के मशरूम उत्पादन प्लांट का भ्रमण किया गया। इसके साथ ही श्री वर्मा द्वारा की जा रही शिमला मिर्च, गोभी, टमाटर आदि की खेती का भी निरीक्षण किया। उन्होने बीज विधायन संयत्र बाराबंकी का भी निरीक्षण किया।कृषि उत्पादन आयुक्त ने बीज विधायन केन्द्र पर बीजों के विधायन एवं पैकिंग का निरीक्षण किया गया एवं किये जा रहे कार्य पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। इसके उपरान्त किसान कल्याण केन्द्र, बंकी का निरीक्षण किया। जहां कृषि उत्पादन आयुक्त, जिलाधिकारीएवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कृषकों को पाश मशीन के माध्यम से सरसो के निःशुल्क मिनीकिट का वितरण कराया गया। कृषि उत्पादन आयुक्त ने निर्देष दिया कि कृषि निवेशों की समय से उपलब्धता सुनिश्चित कराते हुये समस्त प्रक्षेत्रों पर समय से बुवाई का कार्य सुनिश्चित कराया जाये। इस मौके पर जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार, सीडीओ अन्ना सुदन, निदेशक, बीज प्रमाणीकरण संस्थान, उ.प्र डा. एसबी सिंह, उप कृषि निदेशक, बीज एवं प्रक्षेत्र, उ.प्र. ए.के. श्रीवास्तव, उप कृषि निदेशक, श्रवण कुमार, संयुक्त मजिस्ट्रेट काव्या, उपजिलाधिकारी रामसनेहीघाट राम आसरे वर्मा, जिला कृषि अधिकारी राजित राम, जिला कृषि रक्षा अधिकारी विजय कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी, गोमती सौरभ कुमार, भूमि सरंक्षण अधिकारी, कुर्सी डा. विनोद कुमार यादव, जिला सलाहकार कैलाशनाथ पाण्डेय एवं कृषि विभाग के क्षेत्रीय कार्मिक उपस्थित रहे।

प्रयागराज में ऑनलाइन ठगी करने वाले 5 अरेस्ट

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाले गैंग के 5 सदस्यों को अरेस्ट किया है। पकड़े गए पांचों शातिर बिहार के गिरोह के लिए हैंडलर का काम कर रहे थे। गांव के लोगों खाता खुलवाने के नाम पर आधार कार्ड ले लेते।

इसके बाद उन अकाउंट और आधार कार्ड के जरिए खोले गए खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर होती थी। आधार कार्ड, खाते की डिटेल मुहैया कराने पर गैंग के लीडर से मोटी रकम हासिल होती थी।

पकड़े गए पांचों आरोपियों के पास से पुलिस ने 32 नए एटीएम कार्ड, 41 पासबुक, 23 चेकबुक, 07 पैन कार्ड 04 कोटक महिन्द्रा बैंक का भरा हुआ फार्म व 20 कूटरचित आधार कार्ड बरामद किया है।

नवाबगंज थाने की पुलिस, एसओजी सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम ने इन शातिरों को ट्रैप कर पकड़ा। सहायक पुलिस आयुक्त जंग बहादुर यादव के मुताबिक, गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ करने पर बताया कि हम लोग गांव के भोले भाले लोगों को बैंक खता खुलवाने के बदले पैसे देने का लालच देकर उनसे आधार कार्ड ले लिया करते थे। उनमें कूटरचना कर फर्जी आधार कार्ड बनाकर विभिन्न बैंक में खाता खुलवाते थे। उन खातों को बिहार में साइबर ठगी करने वाले गिरोह को महंगे दाम में बेचा करते थे।

पकड़े गए शातिर

आलोक राज कुर्मी पुत्र महेन्द्र प्रसाद निवासी राजा विगहा थाना अस्थामा जनपद नालन्दा बिहार

सुखवेन्द्र कुमार पुत्र बनारस प्रसाद कुर्मी निवासी ग्राम विलासपुर थाना मानपुर जनपद नालन्दा बिहार

निखिल शुक्ला पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी ग्राम इस्माइलपुर थाना सोरांव प्रयागराज।

संदीप कुमार सरोज पुत्र लाल बहादुर सरोज निवासी ग्राम बीरनपुर थाना मान्धाता जनपद प्रतापगढ़।

मो मुकीम सलमान पुत्र मो मोईन निवासी ग्राम कुल्हीपुर थाना मान्धाता जनपद प्रतापगढ़।

कोहरे की चादर में लिपटा रहा प्रयागराज

ठंड से कांपते रहे लोग, सर्द हवाओं और गलन ने बढ़ाई मुसीबतें

प्रयागराज। प्रयागराज में पिछले एक सप्ताह से पड़ रही कड़ाके सर्दी रविवार को भी अपने चरम पर रही। शनिवार की रात से शुरू हुए कोहरे का असर रविवार की सुबह भी दिखाई दिया। सुबह की शुरूआत कोहरे की चादर में सिमटे रहने से हुई। गलन का असर इतना अधिक रहा है कि अलाव जलने के बाद भी उसके सामने बैठे लोग कांपते रहे। सर्द हवाओं के सितम के आगे हर कोई बेबस दिखा।

पहाड़ों पर हो रही लगातार बर्फबारी का असर प्रयागराज में लगातार दिख रहा है। यहां पर अधिकतम तापमान भी सामान्य से करीब दो डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है। मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम तापमान 19.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.4 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री रहा।

कोहरे के बढ़े प्रभाव को लेकर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी और पूर्व प्रोफेसर एचएन मिश्रा के अनुसार पछुआ विक्षोभ का दिख रहा प्रभाव अचानक से मौसम में आए बदलाव का मुख्य कारण रहा है। इसके कारण ही मैदानी इलाकों में बारिश की संभावना बनी हुई है। पहाड़ों में हो रही बर्फबारी के पीछे भी यही मुख्य कारण है। भूमध्य सागर से उठने वाली हवाओं के कारण ऐसी स्थिति बनी हुई। आने वाले दस दिनों तक इसी प्रकार के हालात बने रहने की संभावना है।

प्रो. एचएन मिश्रा के अनुसार आने वाले दिनों में भी कोहरे का असर इसी प्रकार जारी रहेगा। इसके अलावा भीषण ठंड और गलन लोगों को परेशान करती रहेगी। वहीं गलन के कारण लोग घरों में बंद नजर आए। घरों में रूम हीटर और ब्लोवर के सहारे लोग से ठंड का प्रयास करते दिखे।

उत्तर मध्य रेलवे

गैर हाजिरी सूचना

श्री अनिल कुमार सिंह पुत्र श्री जगन्नाथ, पदनाम- ट्रैकमेन्टेनर-II, अधीनस्थ-वरि0 खण्ड अभियंता/पी0वे0/30म0रे0/खागा, स्थाई पता- ग्राम व पोस्ट-कोडरा जीत, तहसील-कुण्डा, जिला- प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश, पिन कोड- 230129 कि आप दिनांक-16.04.2024 से अपनी ड्यूटी में बगैर किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित चल रहे हैं, जिसके सापेक्ष में रेल नियम के अन्तर्गत मानक फॉर्म-5 (मेजर पेनाल्टी चार्जशीट) आरोप सं0 E/CS/D&AR/Anil Kumar Singh/2024/13 dated 14.08.2024 जारी किया गया तदुपरांत श्री ब्रह्मशंकर पाण्डेय, वरि0 खण्ड अभि0/रे0प0/भरवारी को दिनांक-13.09.2024 को जाँच अधिकारी नियुक्त किया गया। उक्त मामले की जाँच करके जाँच अधिकारी ने जाँच कार्यवाही की सम्पूर्ण पत्रावलियों सहित अपनी निष्कर्ष रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक-12.12.2024 को प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुत जाँच पत्रावलियों का अधोहस्ताक्षरी द्वारा अवलोकन किया गया, जिसमें पाया गया कि आरोपी एवं उसके सर्विस रिकॉर्ड को देखते हुए यह प्रतीत हुआ कि आरोपी रेल सेवा के प्रति अत्यन्त लापरवाह है।

उपरोक्त के सम्बन्ध में कर्मचारी को दिनांक-14.12.2024 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया कि कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात अग्रिम कार्यवाही करते हुए आपके विरुद्ध रेल सेवा से निष्कासन की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा सकती है। आरोपी कारण बताओ नोटिस प्राप्त करने के बाद भी अभी तक कार्यालय में उपस्थित नहीं हुआ है।

श्री अनिल कुमार सिंह पुत्र श्री जगन्नाथ,
पदनाम- ट्रैकमेन्टेनर-II,
अधीनस्थ- वरि0 खण्ड अभियंता/
पी0वे0/30म0रे0/खागा
स्थाई पता- ग्राम व पोस्ट-कोडरा जीत,
तहसील-कुण्डा, जिला- प्रतापगढ़ (उ.प्र.)
पिन कोड- 230129

(अनुशासनात्मक अधिकारी)
सहा0 मण्डल अभि0/लाइन
उत्तर मध्य रेलवे,
प्रयागराज
11/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

महाकुंभ में ब्लास्ट की धमकी देने वाला 11वीं का छात्र

दोस्त को फंसाने के लिए साजिश रची, कहा था-1000 हिंदुओं को मारेंगे

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में बम ब्लास्ट की धमकी देने वाला अरेस्ट हो गया है। यूपी पुलिस ने शनिवार को उसे बिहार के पूर्णिया से पकड़ा। आरोपी 11वीं का छात्र है। पूछताछ में सामने आया है कि दोस्त को फंसाने के लिए साजिश रची।

आरोपी छात्र हिंदू ने बताया– उसका कुछ दिन पहले दोस्त से झगड़ा हो गया। उसे फंसाने के लिए फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और धमकी भरा पोस्ट शेयर कर दिया। फिलहाल, यूपी पुलिस की टीम उसे प्रयागराज लेकर आई है। ATS उससे पूछताछ कर रही है।

लिखा था– महाकुंभ में 1000 हिंदुओं को मारेंगे

छात्र ने 31 दिसंबर को इंस्टाग्राम पर नसर पठान नाम की ID से धमकी दी थी। लिखा था– ऑल ऑफ यू, तुम सब अपराधी हो। महाकुंभ में बम ब्लास्ट करेंगे। 1000 हिंदुओं को मारेंगे।

उसी दिन विपिन गौर नाम के युवक ने पोस्ट के स्क्रीनशॉट को डायल–112 यूपी पुलिस को टैग करते हुए शेयर किया। इसके बाद

पुलिस एक्टिव हुई।

लखनऊ के यूपी–112 मुख्यालय के ऑपरेशन कमांडर अरविंद कुमार नैन ने पुलिस महानिदेशक अभिसूचना (लखनऊ), अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था (लखनऊ), अपर पुलिस महानिदेशक सुरक्षा (लखनऊ), अपर पुलिस महानिदेशक ATS (लखनऊ) और SSP कुंभ को लेटर भेजा और जांच करने को कहा।

महाकुंभ मेला कोतवाली थाने में अज्ञात के खिलाफ थ्रट दर्ज की गई। आरोपी को पकड़ने के लिए 3 टीमें लगाई गईं। सर्विलांस, IP एड्रेस ट्रेस करने पर पता चला कि जिस नंबर से यह ID बनाई गई। वह बिहार के पूर्णिया जिले के भवानीपुर शहीदगंज का है। फिर तीन टीमें बिहार पहुंचीं। बिहार पुलिस की मदद से आरोपी को पकड़ लिया गया

इससे पहले, 24 दिसंबर को खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पीलीभीत में 3 खालिस्तानियों के एनकाउंटर का बदला लेने की धमकी दी थी। वीडियो जारी कर

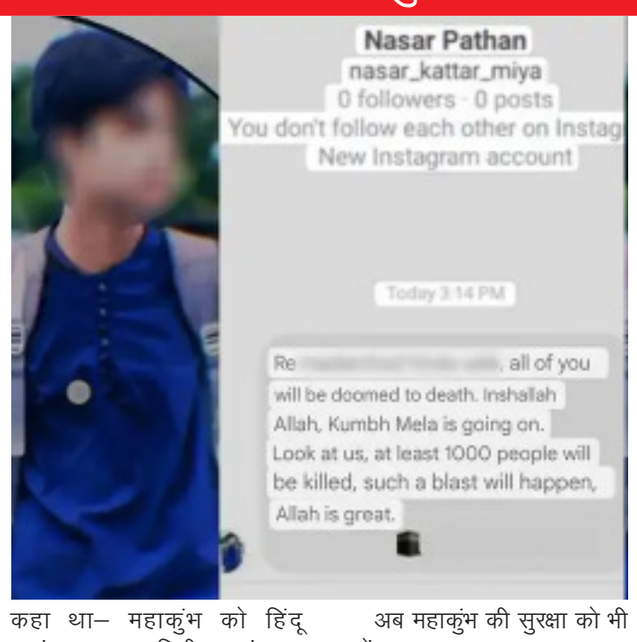

कहा था– महाकुंभ को हिंदू आतंकवाद का आखिरी महाकुंभ कर देंगे।

वीडियो में वह पीलीभीत में मारे गए खालिस्तानी आतंकियों को निर्दोष बता रहा। मृतकों के परिजन को 5–5 लाख की मदद के साथ ही अलग खालिस्तान बनाने का भी राग अलाप रहा।

अब महाकुंभ की सुरक्षा को भी जानें

13 जनवरी, 2025 से शुरू हो रहा महाकुंभ 26 फरवरी तक चलेगा। इसमें करीब 50 करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है। पूरा मेला 4 हजार हेक्टेयर (15,840 बीघा) में बस रहा। पहली बार 13 किलोमीटर लंबा रिवर फ्रंट बन रहा है। कुंभ के इस मेले में सुरक्षा पर विशेष फोकस किया गया है। पूरे मेले को 25 सेक्टर में बांटा गया है। इसी आधार पर कुल 56 थाने और 144 चौकियां बनाई गई हैं।

इसमें 18479 पुरुष पुलिसकर्मी, 1378 महिला पुलिसकर्मी और 1405 ट्रैफिक पुलिस वाले तैनात होंगे। सशस्त्र पुलिसकर्मियों की संख्या 1158 होगी। मेले में 146 घुड़सवार पुलिसकर्मी भी होंगे। 340 जल पुलिस कर्मी संगम और आसपास के घाट पर तैनात रहेंगे। 13,965 होम गार्ड्स की भी तैनाती होगी।

मेले में किसी तरह की अराजकता या फिर साजिश को नाकाम करने के लिए स्न्क के 510 जवानों की तैनाती होगी। 2013 के महाकुंभ में 22,998 पुलिसकर्मियों की तैनाती थी। 2019 के अर्ध कुंभ में 27,550 पुलिसकर्मी तैनात थे।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए चलेंगी 40 इलेक्ट्रिक बसें

15 बसों का संचालन 13 जनवरी से पहले होगा, 25 बसें मौनी अमावस्या पर आएंगी

प्रयागराज। महाकुंभ में श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो ऐसे में प्रयागराज में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो रहा है। 13 जनवरी से पहले शहर की सड़कों पर ई–बसें दौड़ने लगेंगी। इन इलेक्ट्रिक बसों से श्रद्धालु आ–जा सकेंगे। शुरुआत में श्रद्धालुओं के लिए 15 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन होगा। 29 जनवरी को मौनी अवास्या के प्रमुख स्नान पर्व तक 25 और बसों को लखनऊ मुख्यालय से प्रयागराज लाया जाएगा। ये इलेक्ट्रिक बसें विभिन्न रूटों पर श्रद्धालुओं को परिवहन सेवा उपलब्ध कराएंगी। मौनी अमावस्या पर्व के पहले लगभग 40 बसें प्रयागराज आएंगी। इन बसों की सप्लाई स्विच मोबिलिटी द्वारा की जा रही है। बसों की लंबाई 12 मीटर है। एक चार्जिंग में यह लगभग 200 किलोमीटर से अधिक संचालित की जा सकेंगी। परिवहन निगम को मिलीं नई इलेक्ट्रिक बसें शहर और बाहर दोनों का रूट पर चलेंगी। नेहरू पार्क, बेला कछार और अंदावा समेत प्रयागराज में बसों की चार्जिंग की 4 जगह व्यवस्था है। मेला प्रशासन और पुलिस के द्वारा इनके रूट भी तय किए जा चुके हैं। पीक डेज में कुल 6 रूट्स पर बसों का संचालन होगा। सामान्य दिनों में 11 रूट्स पर इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी। परिवहन विभाग द्वितीय चरण में डबल डेकर बसें भी संचालित करेगा। विभाग को दूसरे चरण में कुल 120 इलेक्ट्रिक बसें मिलने की संभावना है। इनमें से 20 बसें डबल डेकर होंगी तथा 100 बसें 9 मीटर और 12 मीटर की होगी।महाकुम्भ के दौरान इन बसों का संचालन मुश्किल है। ऐसे में महाकुंभ के बाद डबल डेकर बसें चलने लगेंगी।

कूड़ा गाड़ी पर लगा दिया महाकुंभ का लोगो

प्रयागराज। पिछले दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में ही महाकुंभ के नए लोगो का अनावरण किया था। इस लोगो को पूरे देश में फैलाया जा रहा है। शहर से लेकर महाकुंभ मेला क्षेत्र तक लगे होर्डिंग व बैनर यानी हर जगह इस लोगो को जगह मिल रहा है। वहीं दूसरी तरफ नगर निगम ने महाकुंभ के प्रचार प्रसार के लिए इस लोगो को अपने कूड़ा गाड़ी पर चस्पा कर दिया है। इसका विरोध भी शुरू हो गया। इसकी शिकायत भी उच्चाधिकारियों से की गई है।

दरअसल, इस लोगो में बंधवा वाले बड़े हनुमानजी मंदिर की भी फोटो है और इसे कूड़ा गाड़ी पर चस्पा करने से भगवान का अपमान हो रहा है। कूड़ा गाड़ी में कूड़ा भरते और गिराते समय कचरा इस लोगो पर भी गिरता है जिसमें हनुमानजी का मंदिर है। इसकी शिकायत नगर आयुक्त समेत अन्य आला अधिकारियों से की गई है और तत्काल इसे हटवाने की मांग की गई है। धीरेंद्र कुमार तिवारी ने नगर निगम के नागरिक सुविधा केंद्र में इसके लिए प्रार्थना पत्र भी दिया है लेकिन इस पर अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है। धीरेंद्र तिवारी ने पत्र में लिखा है "प्रयागराज में जितनी कूड़ा गाड़ियां हैं उस पर महाकुंभ का लोगो लगा दिया गया है। इसमें हनुमानजी की फोटो और मंदिर है। यहां हमारे आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।" उन्होंने कहा है कि यदि इसे शीघ्र ही नहीं हटाया जाता है तो इस मामले को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचाऊंगा।

महाकुंभ में किन्नर संतों का अद्भुत संसार

3 घंटे मेकअप में लगते हैं, 4 घंटे तप–साधना, ऐसा है किन्नर महामंडलेश्वर का जीवन

प्रयागराज। गले में सोने के मोटे–मोटे हार, कलाई पर रुद्राक्ष, सोने और हीरे से बने ब्रेसलेट, कानों में कई तोले की ईयर–रिंग, नाक में कंटेंपरेरी नथ, माथे पर त्रिपुंड और लाल बिंदी... ये पहचान है आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की। आचार्य लक्ष्मी नारायण किन्नर अखाड़े की प्रमुख हैं।

महाकुंभ–2025 के लिए किन्नर अखाड़ा जूना अखाड़ा के साथ रथ–घोड़े, गाजे–बाजे के साथ पहले नगर और फिर छावनी प्रवेश कर गया है। अभी यहां अखाड़े में शामिल करीब एक हजार शकिन्नर संतश पहुंचे हैं। देश–विदेश से इनके आने का सिलसिला जारी है।

कुंभ क्षेत्र में हम आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी से मिलने पहुंचे। तब उनके एक शिष्य ने बताया– आचार्य मेकअप कर रही हैं, टाइम लगेगा। हमने पूछा– कितना समय? जवाब मिला– करीब 3 घंटे।

हमसे बात करने के बाद शिष्य मेकअप रूम गया। 2 मिनट में ही लौट कर बोला– आचार्य ने आपको बुलाया है।

महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी माथे पर त्रिपुंड और लाल बिंदी लगाकर बैठी थीं। बगल में उनके सहायक अर्जुन खड़े थे। डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी बताती हैं– किन्नर श्रृंगार में ही अच्छे लगते हैं। हम अपने प्रभु के लिए श्रृंगार करते हैं।

अमूमन हमारा श्रृंगार देखकर लोग पूछते हैं कि आप अपने साथ मेकअप आर्टिस्ट लेकर चलती हैं? मेरा जवाब होता है, इतने पैसे तो हमारे पास नहीं हैं कि मेकअप आर्टिस्ट लेकर चलें। हम लोगों ने खुद अपना मेकअप करना सीखा है।

उत्तर मध्य रेलवे

No. 114-Elect/EIG/PRYJ Date 02.01.2025

पब्लिक नोटिफिकेशन

उत्तर मध्य रेलवे के नया 10" मार्ग DRA विद्युत सबस्टेशन, प्रयागराज रेलवे लाइन के आस-पास एवं नीचे दिये गये परिक्षेत्रों के उपयोगकर्ता को सूचित किया जाता है कि 11000/415 वोल्ट, 50 हर्ट्ज विद्युत सबस्टेशन, शिरोपरि विद्युत लाइन नेटवर्क एवं विद्युत केबिल नेटवर्क इस तारीख को/तक ऊर्जीकृत कर दिया जायेगा। इस तारीख को/से विद्युत सबस्टेशन, शिरोपरि विद्युत लाइन नेटवर्क एवं विद्युत केबिल नेटवर्क को हर समय ऊर्जीकृत समझा जायेगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति इस लाइन तक पहुँचने अथवा उसके समीप कार्य करने का प्रयास नहीं करेगा।

ऊर्जीकृत करने की तारीख : 18.01.2025 या उसके पश्चात

क्रमांक	विवरण	लोकेशन	
		से	तक
1	11000/415 वोल्ट विद्युत सबस्टेशन	नया 10" मार्ग DRA विद्युत सबस्टेशन, प्रयागराज में स्थित।	
2	11000 वोल्ट भूमिगत विद्युत लाइन नेटवर्क	33kv DSA सबस्टेशन, प्रयागराज से	33kv DSA सबस्टेशन, प्रयागराज के समीप रेलवे ट्रैक तक
3	11000 वोल्ट शिरोपरि विद्युत केबिल लाइन नेटवर्क	33kv DSA सबस्टेशन, प्रयागराज के समीप रेलवे ट्रैक तक से	नया 10th मार्ग DRA विद्युत सबस्टेशन, प्रयागराज स्थित 11000/415 वोल्ट विद्युत सबस्टेशन

24/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

महामंडलेश्वर हर दिन दुल्हन की तरह सजती–संवरती हैं। लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी बताती हैं– इसके लिए 3 घंटे लगते हैं। फिर हम

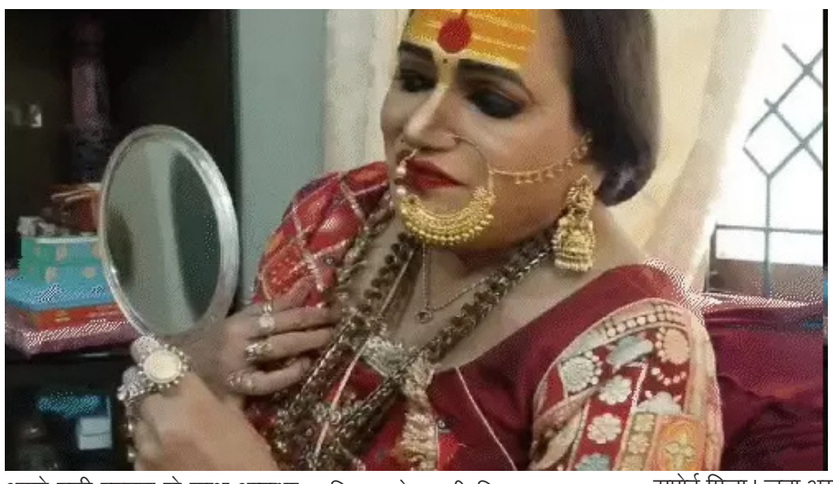

अपने इसी स्वरूप के साथ आराध्य भगवान शिव की आराधना करते हैं। 4 घंटे तक भोलेनाथ की पूजा और प्रार्थना में लीन रहते हैं। यह सब 7 घंटे का है। कुंभ क्षेत्र में रहने के दौरान हर रोज यह साधना जारी रहेगी। इसके बाद ही भक्तों से भेंट करेंगे।

किन्नर अखाड़े के अस्तित्व के लिए खूब संघर्ष किया आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने महाकुंभ क्षेत्र में बसे किन्नरों के एक ऐसे संसार के बारे में बताया, जिसे बहुत कम लोग जानते हैं। वह बताती हैं– 13 अक्टूबर, 2015 को किन्नर अखाड़ा अस्तित्व में आया। वर्षों से समाज में किन्नर उपेक्षित ही रहे। लेकिन 2014 में सुप्रीम कोर्ट का नालसा जजमेंट आया। इसमें किन्नर (थर्ड जेंडर) को उन्हें अपना हक मिला। इसमें वह खुद इंटरविनर थीं।

अखाड़े का गठन जितना आसान था, उसे आगे बढ़ाना और अस्तित्व में लाना उतना ही मुश्किल। अखाड़े का गठन करने के बाद हम उज्जैन के कलेक्टर के पास गए और इसके लिए आवेदन भी दिया।

सभी 13 अखाड़े हमारे विरोध में खड़े हो गए डॉ. त्रिपाठी कहती हैं– इस नए अखाड़े के बारे में जब सभी 13 अखाड़ों के पदाधिकारियों और साधु–संतों को जानकारी हुई, तो हमारे विरोध में खड़े हो गए। बहुत विवाद हुआ, पर मैं अडिग रही। सनातन धर्म में किन्नरों को उपदेवता की श्रेणी में रखते हैं। इसमें देव, दानव, यक्ष, गंधर्व, किन्नर, अप्सरा, संत महात्मा आदि हैं।

किन्नरों के लिए, देव दनुज किन्नर नर श्रेणी, सादर मजहिं सकल त्रिवेणी.. कहा गया है। किन्नरों का बहुत बड़ा स्थान है। उस स्थान को हासिल करने के लिए, उस स्थान पर किन्नरों को स्थापित करने के लिए हमने यह निर्णय लिया कि किन्नर अखाड़े को आगे बढ़ाना होगा।

अब दूसरे देशों जैसे बैंकाक, मलेशिया, अमेरिका में भी किन्नर अखाड़े के गठन की मांग हो रही है। खास बात यह है कि इस अखाड़े में सिर्फ किन्नर या ट्रांसजेंडर ही नहीं, महिला–पुरुष भी शामिल होते हैं। यह सभी को साथ लेकर चलता है। दूसरे धर्म के लोग भी हमारे साथ आना चाहते हैं।

जूना अखाड़े के संतों ने किन्नरों के लिए खोला दरवाजा वह आगे कहती हैं– 2019 में हमें जूना अखाड़ा का सपोर्ट मिला। जूना अखाड़े के संरक्षक हरि गिरि महाराज से मुलाकात हुई। हमारा अनुबंध जूना अखाड़े के साथ हुआ। इसमें यह तय हुआ कि कुंभ–महाकुंभ में किन्नर अखाड़ा जूना अखाड़े के साथ शाही स्नान करेगा। इसके बाद 2019 में साधु–संन्यासियों ने अपने दरवाजे हम किन्नरों के लिए खोल दिए। अब इस किन्नर अखाड़े की पहचान सिर्फ देश ही नहीं, पूरी दुनिया में होती है।

महाकुंभ में मिलेगा 'किन्नर आर्ट विलेज' आचार्य लक्ष्मीनारायण बताती हैं– किन्नर अखाड़े के शिविर में इस बार किन्नर आर्ट विलेज भी तैयार किया जाएगा। इसमें पेंटिंग, मूर्तिकला, फोटोग्राफी रहेगी। किन्नर अखाड़ा का शिविर महाकुंभ के सेक्टर–16 संगम लोवर मार्ग के दाहिनी पटरी पर लग रहा है। हमारे कार्यक्रम 10 जनवरी से शुरू होंगे।

शिविर में पौष पूर्णिमा (13 जनवरी) से लेकर महाशिवरात्रि (26 फरवरी) तक हर दिन पूजन, रुद्राभिषेक, हवन और सनातन धर्म को लेकर गोष्ठी सहित अन्य कार्यक्रम होंगे।

फेसबुक और इंस्टाग्राम पर होते हैं लाखों फॉलोअर्स किन्नर अखाड़े के संत बहुत ही हाईटेक होते हैं। डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के फेसबुक पर 1 लाख से ज्यादा और इंस्टाग्राम पर 80 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसी तरह किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कौशल्यानंद गिरि, कल्याणी नंद गिरि, मोहनी नंद गिरि के अलावा पवित्रा नंद आदि के लाखों फॉलोअर्स हैं। कुंभ हो या महाकुंभ, सोशल मीडिया पर इनके रील्स भी सबसे ज्यादा वायरल होते हैं।

आचार्य महामंडेश्वर के जरिए बदली किन्नरों के प्रति धारणा किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने थर्ड जेंडरों से जुड़ी 2 किताबें भी लिखी हैं। पहली किताब 'मी हिजड़ा– मी लक्ष्मी' है। यह हिंदी, मराठी, इंग्लिश और गुजराती में है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा कम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062